शर्मा হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 266 | गुवाहाटी | बुधवार, 30 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कर्नाटक : पुलिस अफसर पर हाथ उठाने को लेकर घिरे सीएम सिद्धारमैया — पेज 2

पंचायत चुनाव में जनता विकास यात्रा के समर्थन में खड़ी होगी : दिलीप सैकिया — पेज 3

पंजाब ने भाखड़ा से आने वाले हरियाणा के पानी की सप्लाई घटाई — पेज 5

भारत में फुटबॉल को मिलेगा नया बूस्ट, प्रीमियर लीग मुंबई में खोलेगा ऑफिस — पेज 7

हाई लेवल मीटिंग में पीएम मोदी का सीधा संदेश

टारगेट और टाइम सेना तय करे

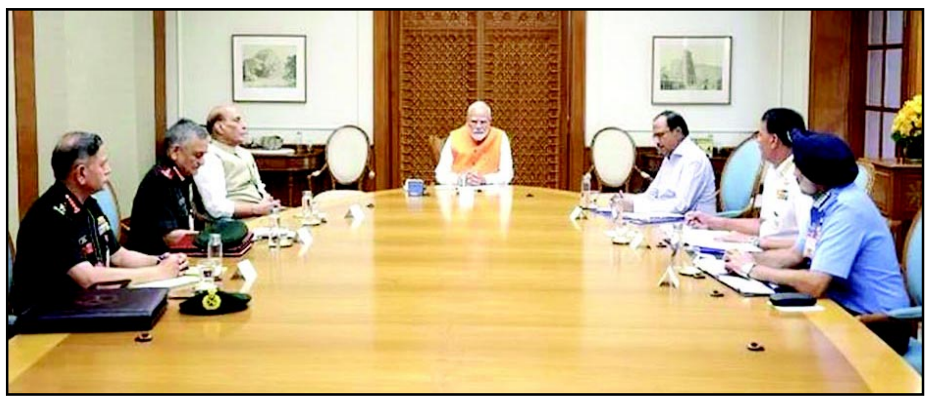

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद देशभर में आक्रोश है और केंद्र सरकार पूरी तरह एक्शन मोड में आ चुकी है। पीएम मोदी कह चुके हैं कि भारत की आत्मा पर हमला करने वालों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। इसके बाद से पूरे देश को आतंकवादियों और उनके आकाओं के खिलाफ कड़े एक्शन का इंतजार है। इस बीच आज यानी मंगलवार शाम को प्रधानमंत्री आवास पर एक हाई लेवल मीटिंग हुई। पीएम मोदी के अगुवाई में हुई इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी शामिल रहे। इस बैठक में प्रधानमंत्री ने साफ शब्दों में निर्देश दिया है कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। पीएम ने भारतीय सैन्य बलों की पेशेवर क्षमताओं में पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। इसके साथ-साथ कहा कि हमारी जवाबी कार्रवाई का तरीका क्या हो, इसके टार्गेट्स कौन से हों और इसका समय क्या हो, इस प्रकार के ऑपरेशनल निर्णय लेने के लिए सैन्य बलों को खुली छूट है। यह आतंकी हमला 22 अप्रैल को हुआ था जब कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में अज्ञात आतंकियों ने फायरिंग कर 26 निर्दोष नागरिकों, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे, की निर्मम हत्या कर दी थी। इस हमले को हाल के वर्षों में नागरिकों पर हुआ सबसे बर्बर हमला माना जा रहा है। घटना में शामिल आतंकी वारदात को अंजाम देने के बाद जंगल की तरफ भाग निकले। घटना के बाद से पूरे देश की नजर सरकार के अगले कदम पर टिकी हुई है। -शेष पृष्ठ दो पर

बोड़ो नेता उपेंद्र नाथ ब्रह्म को सम्मानित करने वाली सड़क और प्रतिमा का उद्घाटन करेंगे केंद्रीय गृहमंत्री

नई दिल्ली। बोड़ोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म की विरासत को एक महत्वपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) दक्षिण दिल्ली में लाला लाजपत राय मार्ग के एक हिस्से का नाम बदलकर बोड़ोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म मार्ग कर देगा। बोड़ो लोगों के पिता के रूप में जाने जाने वाले बोड़ोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म एक दूरदर्शी नेता और समाज सुधारक थे, जिन्होंने बोड़ो समुदाय के अधिकारों, पहचान और उत्थान के लिए अथक प्रयास किए। यह समारोह 1 मई, 2025 को कैलाश कॉलोनी, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। साथ ही बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो, दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह, असम विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी, बोड़ोलैंड के कल्याण मंत्री उर्खाओ गौड़ा ब्रह्म, एबीएसयू के अध्यक्ष दीपेन बोड़ो आदि भी उपस्थित रहेंगे। नाम बदला गया मार्ग कैलाश कॉलोनी मेट्रो स्टेशन के पास स्थित 835 मीटर-50 फीट चौड़ी सड़क है, जो बोड़ोलैंड गेस्ट हाउस के बगल से होकर गुजरती है। इसके साथ ही, कैलाश कॉलोनी गोल चक्कर पर बोड़ोफा की एक प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। असम सरकार द्वारा आयोजित यह समारोह आदरणीय नेता की 35वीं पुण्यतिथि का प्रतीक है। इस संबंध -शेष पृष्ठ दो पर

असम एचएस 2025 का परिणाम आज : शिक्षा मंत्री

गुवाहाटी। असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद (एएचएसईसी) 30 अप्रैल को सुबह 9 बजे असम एचएस परिणाम 2025 की घोषणा करेगा। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। एक बार जारी होने के बाद, छात्र आधिकारिक वेबसाइट ahsec.assam.gov.in से अपनी असम बोर्ड कक्षा 12 की मार्कशीट डाउनलोड कर सकेंगे। मंत्री रनोज पेगू ने अपने *एक्स* हैंडल पर लिखा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कला, विज्ञान, वाणिज्य और व्यावसायिक धाराओं के लिए उच्चतर माध्यमिक -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने विवादास्पद नौकरी के लिए सम्मान वाली टिप्पणी का बचाव किया, कहा-

बिप्लब से भिड़ें, मुझसे नहीं

गुवाहाटी। कांग्रेस शासन के दौरान महिलाओं को सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए *अपनी गरिमा से समझौता* करने संबंधी अपनी कथित टिप्पणी पर विवाद के बीच, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि वह केवल बिप्लब शर्मा समिति की रिपोर्ट का हवाला दे रहे थे। दरंग में पंचायत चुनाव से पहले एक सार्वजनिक बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि यह मैं नहीं हूं जो आरोप लगा रहा हूं। मैंने जो कहा है, उसका उल्लेख बिप्लब शर्मा समिति की रिपोर्ट में पहले ही किया जा चुका है। मैंने अपने अभियान भाषण के दौरान बस इसका उल्लेख किया था। अगर कांग्रेस को यह आपत्तिजनक लगता है, तो उन्हें इस मुद्दे को मुझसे नहीं, बल्कि बिप्लब शर्मा से उठाना चाहिए। प्राथमिक विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए शर्मा ने कहा कि हर कोई जानता है कि एपीएस, एसीएस और राकेश पाल के समय में -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विद्या को चोर भी नहीं चुरा सकता।

- आचार्य चाणक्य

मतदाता सूची से डुप्लिकेट नाम हटाने में जुटा चुनाव आयोग, *आधार* देना पूरी तरह स्वैच्छिक

नई दिल्ली। चुनाव आयोग देशभर में मतदाता सूची से डुप्लिकेट नाम हटाने के अभियान में जुटा है। इस बीच, मंगलवार को सरकारी सूत्रों ने साफ किया कि मतदाताओं के लिए आधार नंबर देना पूरी तरह स्वैच्छिक रहेगा, और इसमें कानून के तहत कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। साथ ही ये भी बताया गया कि चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम, 2021 के तहत, मतदाताओं द्वारा चुनाव अधिकारियों को आधार जानकारी देना जरूरी नहीं है, बल्कि यह उनकी मर्जी पर निर्भर करता है। यह बयान तब आया जब कुछ लोगों ने पूछा कि क्या आधार साझा करना अनिवार्य किया जा सकता है और अगर कोई मतदाता जानकारी नहीं देता तो क्या उसे कारण बताना होगा। इस सवाल के जवाब में सूत्रों का कहना है कि अभी तक ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है, और न ही किसी नए नियम को जोड़ने की योजना है। बता दें कि इस मुद्दे पर जारी बहस के बीच चुनाव आयोग पहले ही कह चुका है कि वह जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिकारियों के साथ समन्वय कर मतदाता सूची को नियमित रूप से अपडेट करेगा। इसके अलावा यूआईडीएआई (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) और चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों के बीच मतदाता सूची और आधार लिंक करने को लेकर विचार-विमर्श जल्द शुरू होगा। हालांकि, आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि एक मतदाता केवल उसी मतदान केंद्र में वोट डाल सकता -शेष पृष्ठ दो पर

हाफलोंग में मुठभेड़, एनएससीएन के तीन उग्रवादी ढेर

हाफलोंग (हि.स.)। असम के डीमा हसाओ जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में एनएससीएन के तीन उग्रवादी मारे गए। असम पुलिस के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि डीमा हसाओ जिले के नेशनल प्रोजेक्ट्स (गोल्डन क्वाड्रिलैटरल) के अंतर्गत कार्यरत एनएचएआई को जब एक उगाही पत्र मिला तो इसी के आधार पर असम पुलिस की स्पेशल यूनिट्स और असम राइफल्स ने शनिवार शाम हाफलोंग थाना क्षेत्र के हेरा किलो-त्रियाचिबंग्लो-एन कुबिन-बोरोचानाम-पी कुबिन-मिचिदुई डोएरिंग-चैकाम इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। लगभग 60 घंटे की तलाशी के बाद मंगलवार सुबह सुरक्षा बलों की टीम को एन कुबिन और हेरा किलो के बीच के इलाके में हथियारबंद उग्रवादियों का एक समूह मिला। उग्रवादियों ने फोर्स पर फायरिंग की, जिसका जवाब सुरक्षा बलों ने कड़े ढंग से दिया और दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। इलाके की तलाशी के दौरान तीन शव बरामद हुए, जिनके पास से दो एके सीरीज़ की राइफलें और एक पिस्तौल मिलीं। मारे गए उग्रवादियों के एनएससीएन के किसी गुट से संबंध होने की आशंका पुलिस ने जताई है। सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी है। असम पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गोलीबारी हाफलोंग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत हेरा किलो एन.कुबिन नामक स्थान पर हुई। सुरक्षा बलों को दो एके सीरीज की राइफलें और एक पिस्तौल मिली है। राजमार्ग परियोजना कई साल पहले शुरू हुई थी, लेकिन उग्रवादी समूहों की जबरन वसूली की मांग के कारण दीमा हसाओ में इसका कार्यान्वयन धीमा रहा है। दीमा हसाओ की सीमा नगालैंड से लगती है, जहां एनएससीएन के ठिकाने हैं। यह घटना अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में एनएससीएन के दूसरे गुट के तीन कार्यकर्ताओं की इसी तरह हत्या के दो दिन बाद हुई है। 25 अप्रैल को उग्रवादियों द्वारा दो निर्माण श्रमिकों का अपहरण करने के बाद रविवार को सुरक्षा बलों ने अभियान शुरू किया। सेना और असम राइफल्स ने अभियान के दौरान अपहृत श्रमिकों में से एक को बचा भी लिया।

न्यूज गैलरी

धरती पर भगवान परशुराम के आदर्श आज भी प्रासंगिक : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने परशुराम जयंती के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि धरती पर धर्म स्थापना, अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और जीवन में अनुशासन व निष्ठा का जो संदेश भगवान परशुराम ने दिया, वही आज भी हमारी चेतना -शेष पृष्ठ दो पर

आर्थिक मोर्चे पर पश्चिमी और दक्षिण भारत का जलवा, महाराष्ट्र-गुजरात-कर्नाटक सबसे आगे

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर प्रदर्शन के मामले में पश्चिमी और दक्षिण क्षेत्र के राज्यों का प्रदर्शन लगातार बेहतर बना हुआ है। जबकि, उत्तर भारत के पारंपरिक तौर पर घोषित बीमारू राज्यों की स्थिति पहले से सुधरी है लेकिन तेजी से आर्थिक, समाजिक, वित्तीय विकास कर रहे राज्यों की तुलना में नाकाफी है। अगर ऐसी ही स्थिति रही तो आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक व समाजिक विकास में गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु जैसे राज्य बहुत आगे होंगे। केयरएज रेटिंग एजेंसी की तरफ से मंगलवार को जारी रिपोर्ट बताती है कि आर्थिक, समाजिक व राजकोषीय मानदंडों पर अभी महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक का प्रदर्शन सबसे अच्छा है जबकि इस रिपोर्ट में बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश को नीचे से तीन स्थान दिए गए हैं। इन तीन राज्यों से एक पायदान ऊपर उत्तर प्रदेश है। ये राज्यों शीर्ष के पांच-छह राज्यों को किसी भी तरह से प्रतिस्पर्द्धा देने की स्थिति में -शेष पृष्ठ दो पर

पत्रकारिता की स्वतंत्रता लोगों की स्वतंत्रता के लिए आवश्यक : यूएन महासचिव

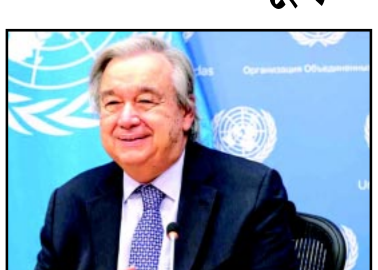

नई दिल्ली (हि.स.)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेश ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस (3 मई) के उपलक्ष्य में संदेश जारी किया है जिसमें उन्होंने पत्रकारिता की स्वतंत्रता को लोगों की स्वतंत्रता के लिए आवश्यक बताया है। गुटेरेश ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता सबके हित में है और यह जवाबदेही, न्याय, समानता और मानवाधिकारों की रीढ़ है। गुटेरेश ने चिंता व्यक्त की कि आज के समय में पत्रकारों को हमलों, हिरासत, सैंसरशिप और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विशेष रूप से गाजा में युद्ध क्षेत्रों में मारे गए पत्रकारों की बढ़ती संख्या का उल्लेख किया और कहा कि जब पत्रकार अपने काम को सुरक्षित रूप से नहीं कर पाते, तो यह सभी के लिए एक हार होती है। उन्होंने इस वर्ष की थीम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को समर्थन या दमन दोनों कर सकती है। उन्होंने पक्षपाती एल्गोरिदम और झूठी सूचनाओं को सूचना पारिस्थितिकी के लिए खतरा बताया। गुटेरेश ने सटीक, सत्यापन योग्य और तथ्य आधारित जानकारी को इन खतरों का -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में सेना जवान के घर पर लगा धमकी भरा पोस्टर, जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटना के बाद से देशभर में चिंता का माहौल है। पहलगाम आतंकी हमले में जहां 26 पर्यटकों की मौत हुई, वहीं इसी दौरान पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के तेहट निवासी सेना के जवान झंटु अली शेख की भी शहादत हो चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में अब हुगली जिले के एक सैनिक के घर पर धमकी भरा पोस्टर मिलने से सनसनी फैल गई है। घटना हुगली जिले के धनियाखाली थाना अंतर्गत चैतन्यबाटी गांव की है। यहां के निवासी गौरव मुखोपाध्याय भारतीय सेना में दो वर्ष पूर्व भर्ती हुए थे और वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में तैनात हैं। रविवार को गौरव के घर की दीवार पर पोस्टर चिपकाया गया जिसमें -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कर्नाटक : पुलिस अफसर पर हाथ उठाने को लेकर घिरे सीएम सिद्धारमैया

बंगलूरू। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बेलगावी जिले में सीएम सिद्धारमैया के जनसभा के दौरान हुए हंगामा को लेकर भाजपा द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें फिलहाल सिर्फ अखबारों से मिली जानकारी ही है, लेकिन शुरुआती जांच में पता चला है कि कुछ भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता कांग्रेस की शॉल ओढ़कर कार्यक्रम में पहुंची थीं। गृह मंत्री ने कहा कि जब अन्य कांग्रेस नेता भाषण दे रहे थे तब कोई विरोध नहीं हुआ, लेकिन जैसे ही मुख्यमंत्री बोलने लगे, इन महिलाओं ने काले झंडे दिखाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। बता दें कि कर्नाटक के बेलगावी जिले में सोमवार को उस समय विवाद खड़ा हो गया जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया एक जनसभा में महंगाई के खिलाफ बोलने के लिए मंच पर पहुंचे। जैसे ही वे भाषण देने लगे, कुछ महिलाओं ने उन्हें काला झंडा दिखाया। इससे सीएम नाराज हो गए और मंच पर सुरक्षा व्यवस्था की खराबी को लेकर

एक पुलिस अधिकारी पर गुस्सा हो गए। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो जनसभा के दौरान महिलाओं द्वारा काला झंडा दिखाने पर सिद्धारमैया गुस्से में आ गए और उन्होंने पुलिस अधिकारी को अपने मंच पर बुलाते हुए कहा, आओ यहां..कौन है एसपी? क्या कर रहे हो? इसके बाद मुख्यमंत्री गुस्से में पुलिस अधिकारी की ओर हाथ उठाते हैं, लेकिन पुलिस अधिकारी तुरंत पीछे हट जाते हैं। फिर सिद्धारमैया उन्हें उन लोगों को हटाने का आदेश देते हैं, जो उनके लिए परेशानी पैदा कर रहे थे। इस घटना को लेकर भाजपा ने राज्य सरकार का जबरदस्त घेराव किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा ने लिखा कि ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारी पर हाथ उठाना सिर्फ एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि कर्नाटक की जनता और कानून पर हमला है। साथ ही भाजपा ने कर्नाटक में लोकतंत्र हत्या का हैशटैग चलाते हुए लिखा कि यह तानाशाही है, नेतृत्व नहीं। सिद्धारमैया औरंगजेब से कम नहीं हैं। ये कर्नाटक के लिए एक काला दिन है। भाजपा के इन आरोपों को लेकर गृह मंत्री कहा कि अगर ये कार्यकर्ता भाजपा की शॉल ओढ़कर आतीं, तो पुलिस को उनकी पहचान हो जाती और सुरक्षा की तैयारी बेहतर होती। आगे उन्होंने सवाल किया कि भाजपा को कांग्रेस की शॉल पहनने का क्या नैतिक अधिकार है। साथ ही पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं ताकि यह पता चल सके कि कहीं सुरक्षा में कोई लापरवाही तो नहीं हुई।

मार्क कार्नी की जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा-

आपके साथ काम करने को उत्सुक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कनाडा के आम चुनाव में जीत के लिए मार्क कार्नी को बधाई दी और कहा कि वह अधिक से अधिक अवसरों को खोलने के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में आपके चुनाव पर मार्क कार्नी और लिबरल पार्टी को उनकी जीत पर बधाई। भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बंधे हैं। मैं हमारी साझेदारी को मजबूत करने और हमारे लोगों के लिए अधिक से अधिक अवसरों को खोलने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। सुबह 3:15 बजे (ओटावा समय) तक मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी के उम्मीदवार 167 सीटों पर आगे चल रहे थे या चुने जा चुके थे, जबकि कंजर्वेटिव पार्टी की 145 सीटों आगे थीं। लिबरल पार्टी के पास राष्ट्रीय वोट का लगभग 43 प्रतिशत था, लेकिन 343 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमन्स में बहुमत के लिए आवश्यक 172 सीटों से पीछे रह सकते हैं। बहुमत से पीछे रहने का मतलब होगा कि कार्नी की सरकार को बजट और अन्य कानून पारित करने के लिए अन्य पार्टियों के साथ मिलकर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। मार्क कार्नी के चुनाव से ओटावा के नई दिल्ली के साथ संबंधों में सुधार आने की उम्मीद है, जो पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार द्वारा खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर, एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाने के बाद नए निम्न स्तर पर पहुंच गए थे। लिबरल नेता, एक अर्थशास्त्री और बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ कनाडा दोनों के पूर्व गवर्नर ने संकेत दिया कि अगर वह सत्ता में वापस आते हैं तो वह नई दिल्ली के साथ संबंधों को फिर से स्थापित कर सकते हैं।

कांग्रेस को बड़ा झटका पलवल के दिग्गज नेता हर्ष कुमार भाजपा का दामन थामेंगे

पलवल (हिंस)। हरियाणा के पूर्व सिंचाई मंत्री हर्ष कुमार बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी की होडल अनाज में आयोजित रैली के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होंगें। उनके भाजपा में प्रवेश को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं, जो अब औपचारिक रूप से समाप्त हो जायेंगी। हर्ष कुमार का राजनीतिक सफर वर्ष 1996 में शुरू हुआ था, जब वे बंसीलाल सरकार में सिंचाई मंत्री बने थे। वे कांग्रेस के नेता करण दलाल के रिश्तेदार हैं, हालांकि दोनों के बीच लगभग 25 वर्षों तक राजनीतिक मतभेद बने रहे। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनावों से पूर्व वे कांग्रेस में लौटे थे और भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेश अध्यक्ष उदयभान की उपस्थिति में पुन: पार्टी में शामिल हुए थे। हथीन विधानसभा क्षेत्र से टिकट नहीं मिलने के कारण उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी की बजाय होडल से भाजपा उम्मीदवार हरेंद्र रामरतन का समर्थन किया था। इस बागी रुख के चलते कांग्रेस ने उन्हें छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया था। सूत्रों के अनुसार, हर्ष कुमार पिछले कई महीनों से भाजपा के संपर्क में थे। उनके भाजपा में शामिल होने से पलवल, हथीन और होडल जैसे विधानसभा क्षेत्रों में राजनीतिक समीकरण प्रभावित होगा। स्थानीय स्तर पर उनके समर्थकों की संख्या को देखते हुए भाजपा को इन क्षेत्रों में चुनावी लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है।

पश्चिम बंगाल में सुरक्षा एजेंसियों के हत्थे चढ़ा बांग्लादेशी नागरिक असल में निकला पाकिस्तानी

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में एक पाकिस्तानी नागरिक की गिरफ्तारी से खुफिया एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी पासपोर्ट रैकेट की जांच के दौरान जिस आजाद मल्लिक को गिरफ्तार किया था, अब उसे लेकर दावा किया है कि वह बांग्लादेशी नहीं, बल्कि पाकिस्तान का नागरिक है। ईडी की जांच में सामने आया है कि आजाद मल्लिक नाम और पहचान बदल कर भारत में फर्जी दस्तावेजों के जरिए पासपोर्ट बनाने का गोरखधंधा चला रखा था। कोलकाता के बिराटी के बांकरा इलाके में रहने वाले आजाद के ठिकाने से पाकिस्तान का ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुआ है, जिस पर उसका नाम *आजाद हुसैन* लिखा हुआ है। एजेंसी के मुताबिक, उसका असली नाम अहमद हुसैन आजाद उर्फ आजाद हुसैन है। ईडी ने बताया कि आजाद ने अलग-अलग पहचान बताकर भारत में दो वोटर कार्ड, दो आधार कार्ड और एक ड्राइविंग लाइसेंस भी बनवाया था। उसके पास पाकिस्तान और बांग्लादेश के ड्राइविंग लाइसेंस के अलावा भारत का लाइसेंस भी मौजूद था। जांच एजेंसी के अनुसार, वह सीमापार से खुद भी फर्जी पासपोर्ट के सहारे भारत में दाखिल हुआ था और फिर इस गिरोह का सरगना बनकर अन्य लोगों को भी अवैध तरीके से भारत में प्रवेश दिलवाने लगा। प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि आजाद के बैंक खाते में 2.62 करोड़ की संदिग्ध राशि का पता चला है। इसके अलावा एक अन्य धोखाधड़ी के मामले में उसका नाम सामने आया है। ईडी ने इसके आधार पर एक नई ईसीआईआर (प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट) दर्ज कर उसे फिर से अपनी हिरासत में लिया है। गौरतलब है कि आजाद को वर्ष 2022 में विदेशी नागरिक कानून के तहत राज्य पुलिस ने गिरफ्तार किया था, लेकिन बाद में उसे जमानत मिल गई थी। इसके बाद वह कथित रूप से बांग्लादेश भी गया था। ईडी की मानें तो यह मामला देश की सुरक्षा के लिए बेहद गंभीर है और यह जांच की जा रही है कि क्या आजाद किसी आतंकी संगठन या देशविरोधी गतिविधियों से जुड़ा रहा है।

पाकिस्तान परस्त पार्टी है कांग्रेस : भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पार्टी की कड़े शब्दों में आलोचना की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि कांग्रेस पाकिस्तान परस्त पार्टी है। नाकाम इरादे वालों सोच बदलो! आज जब दुनिया और समस्त भारतवर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्र के साथ खड़ा है तो कांग्रेस और उनकी आईटी सेल प्रधानमंत्री के विरोध में उतर गयी है। आज जब विपक्ष के पास सरकार के साथ खड़े होकर देश की शक्ति बनने का समय है तो ऐसे समय में भी कांग्रेस का मानसिक दिवालियापन प्रधानमंत्री का विरोध करके राष्ट्र के विरोध में वातावरण तैयार करने का काम कर रहा है।

अक्षय तृतीया की शाम पृथ्वी की चमक से चमकेगा चंद्रमा

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए बुधवार, 30 अप्रैल का दिन खास होने जा रहा है। इस दिन देश में हिन्दू धर्म में अबूझ मुहूर्त माना जाने वाला अक्षय तृतीया का पर्व जब मनाया जा रहा होगा, तब आप आसमान में पश्चिम दिशा में अक्षय तृतिया के हंसियाकार चांद को देखेंगे तो पाएंगे कि हंसियाकार भाग तो तेज चमक के साथ दिखेगा, लेकिन हल्की चमक के साथ पूरा गोलाकार चांद भी दिखाई देगा। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने मंगलवार को इस खगोलीय घटना के बारे में बताया कि इसे अर्थशाईन कहा जाता है। यह घटना आसमान में साल में दो बार होती है। उन्होंने बताया कि इस घटना के समय चंद्रमा की पृथ्वी से दूरी लगभग तीन लाख 63 हजार 897 किलोमीटर होगी और इसका 9.9 प्रतिशत भाग ही पूरी तरह प्रकाशित होगा, लेकिन इस खास खगोलीय घटना में चंद्रमा का बाकी अप्रकाशित भाग भी कम चमक के साथ दिख रहा होगा। इसे बिना किसी यंत्र की मदद से खाली आंखों से भी देख सकेंगे। सारिका ने बताया कि इस घटना को दा विंची चमक के नाम से भी जाना जाता है।

नुश्की में ऑयल टैंकर में लगी भीषण आग चालक की मौत, 40 से अधिक घायल

नुश्की (बलूचिस्तान) (हि.स.)। बलूचिस्तान के नुश्की जिले में सोमवार की रात एक ऑयल टैंकर में भीषण आग लगने के बाद हुए विस्फोट में चालक की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग झुलसने से घायल हो गए। इस घटना की पुष्टि नुश्की के डिप्टी कमिश्नर अमजद हुसैन ने की है। डिप्टी कमिश्नर के अनुसार, हादसे में गंभीर रूप से घायल 26 व्यक्तियों को बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती द्वारा उपलब्ध कराई गई एयर एंबुलेंस के जरिये क्वेटा स्थानांतरित किया गया है। पुलिस के मुताबिक, एक डिपो में खड़े तेल भरे टैंकर पर वेल्डिंग का काम चल रहा था, तभी अचानक उसमें आग लग गई। संभावित बड़े हादसे को टालने के प्रयास में टैंकर चालक जलते वाहन को टर्मिनल से बाहर खुले मैदान में ले गया, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया। चालक की मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और टैंकर में जोरदार विस्फोट हो गया, जिससे 40 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में एक डीएसपी और तीन अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जो नागरिकों को घटनास्थल से हटाने के प्रयास में लगे थे। घटना में एक फायर ब्रिगेड वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

चीन के रेस्तरां में आग लगने से 22 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के लियाओनिंग प्रांत के आयोयांग शहर में मंगलवार को लगी भीषण आग में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, आग दोपहर 12:25 बजे लगी, जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि आग के कारणों का अभी पता लगाया जा रहा है, लेकिन चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घायलों के इलाज के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया है। रेस्तरां में लगी आग इस महीने चीन में दूसरी बड़ी आग की घटना है। इससे पहले, उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 बुजुर्गों की मौत हो गई थी। चेंगडे शहर के लोंगहुआ काउंटी में नर्सिंग होम में आग लगने के समय इमारत में कुल 39 बुजुर्ग लोग मौजूद थे। खराब रखरखाव वाला बुनियादी ढांचा, अवैध रूप से संग्रहीत रसायन और अग्नि निकास और अग्निरोधी की कमी, जो अक्सर भ्रष्टाचार द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, अक्सर ऐसी आपदाओं के कारक होते हैं। अगर आग रसोई में लगी है, तो यह पारंपरिक रूप से बड़ी खुली आग के इस्तेमाल से संबंधित हो सकती है जिस पर लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल बर्तन पकाने के लिए किया जाता है। चीन भर में भोजन करने वाले लोग *हॉट पॉट* नामक एक डिश का भी आनंद लेते हैं जिसमें मांस और सब्जियों को खुली लपटों पर पकाया जाता है। लियाओनिंग प्रांत में लियाओयांग, चीन के जंग खाए हुए क्षेत्र का हिस्सा है, जो एक पूर्व औद्योगिक पावरहाउस है जो काफी आबादी के पलायन के कारण मुश्किल दौर से गुजर रहा है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घायलों के इलाज के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया।

सीरिया में पैगंबर के अपमान का ऑडियो वायरल होने से तनाव, पांच की मौत

सीरिया। सीरिया में पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपमानजनक ऑडियो वायरल होने के बाद तनाव बढ़ता ही जा रहा है। सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक सीरिया के दमिश्क के दक्षिण में स्थित जरामाना शहर में हुई झड़पों में पांच लोगों की मौत हो गई और दस से अधिक लोग घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। दमिश्क से लेकर सीरिया के कई इलाकों में पैगंबर के अपमान पर गुस्सा है और लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। सीरियाई मीडिया ने बताया कि मंगलवार सुबह जरामाना पर मोर्टार से हमला किया गया, जिससे तीन नागरिक घायल हो गए। साथ ही दमिश्क के दक्षिण में अशरफियत सहनाया के अल-कौस इलाके में भी इसी तरह की झड़पों की खबरें हैं। सीरिया की राजधानी के एक उपनगर में मंगलवार की सुबह अल्पसंख्यक ड्रूज संप्रदाय के स्थानीय बंदूकधारियों और सरकार समर्थक लड़ाकों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें कम से कम चार लोग मारे गए। ये लड़ाई सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप वायरल होने के बाद शुरू हुई जिसमें एक व्यक्ति इस्लाम के पैगंबर मुहम्मद पर हमला कर रहा था। ऑडियो को ड्रूज मौलवी का बताया गया, जिसने बाद में इसमें शामिल होने से इनकार किया है। ड्रूज धार्मिक नेताओं के कई बयानों ने आपत्तिजनक रिकॉर्डिंग की निंदा की है। इन निंदाओं के बावजूद, सशस्त्र समूहों ने राजधानी के दक्षिण में कई ड्रूज-बहुल क्षेत्रों पर हमले किए। ड्रूज बस्ती में सीरिया के नए नेता अल-शरा के लड़ाकों ने अभियान चलाया है। जरामाना के ड्रूज धार्मिक नेतृत्व ने एक बयान में सशस्त्र हमले की निंदा की, जिसमें निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया और निवासियों को डराया गया। साथ ही कहा कि सीरियाई अधिकारी इस घटना के लिए और किसी भी आगे की घटना या संकट के बिगड़ने के लिए पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

INDIAN AIR FORCE (IAF) RECRUITMENT RALLY
DESSEMINATION OF NOTIFICATION : AGNIVEERVAYU (MUSICIAN) INTAKE 01/2026

The IAF Notification for Pre-Registered Recruitment Rally for selection of Agniveervayu (Musician) Intake 01/2026 has been issued and the notification is available in website https://agnipathvayu.cdac.in.

Registration for the rally commenced at 1100 hrs on 21 April 2025 and will close at 23.00 hrs on 11 May 2025 on web portal https://agnipathvayu.cdac.in. Only registered candidate along with provisional Admit card are allowed to appear in Recruitment Rally from **10 Jun 2025 to 18 Jun 2025 (as per the date, time and venue mentioned in the Provisional Admit card). APPLICATIONS ARE INVITED FROM BOTH MALE AND FEMALE CANDIDATES.**

Wing Commandet
Commanding Officer
11 Airmen Selection Centre

-- DIPR/D/VBS/7/30-Apr-25

पृष्ठ एक का शेष

टारगेट और टाइम ...

आतंकी हमले के ठीक दो दिन बाद यानी 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार दौरे पर गए थे। जहां, उन्होंने मधुबनी जिले में आयोजित राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने आतंकियों और उनके आकाओं को कड़ी चेतावनी भी दी। पीएम ने कहा कि जिन्होंने भी यह हमला किया है उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। पीएम ने आगे कहा कि आतंकी हमले में मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा गया है उससे पूरा देश व्यथित है। देशवासी दुखी हैं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा, किसी ने अपना भाई तो किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है। मौत पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा दुख एक जैसा है, हमारा आक्रोश एक जैसा है। देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है।

बोड़ो नेता उपेंद्र नाथ ...

में बोड़ोफा की स्मृति में, एबीएसयू ने 1 मई, 2025 को शाम 5.30 बजे बीटीआर और असम में हर घर, सार्वजनिक स्थान पर 5 लाख मिट्टी के दीपक/मोमबत्ती जलाने का निर्णय लिया है। ऑल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएसयू) के अध्यक्ष दीपेन बोड़ो ने एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि बोड़ोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म ने अपना जीवन एक समावेशी समाज के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया, जहां लोग सम्मान के साथ रह सकें और अपना सही स्थान सुरक्षित कर सकें। उनके विचार शांतिपूर्ण परिवर्तन और सामूहिक प्रगति की दिशा में पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। राष्ट्रीय राजधानी के केंद्र में एक सड़क का नामकरण और उनकी प्रतिमा की स्थापना हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। यह उनके काम और आदर्शों के लिए एक स्थायी श्रद्धांजलि है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके आशीर्वाद के लिए, माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एबीएसयू और बोड़ो लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को आगे बढ़ाने के लिए और इस श्रद्धांजलि को संभव बनाने में उनके निरंतर समर्थन के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को मेरा हार्दिक आभार। दीपेन बोड़ो ने आगे कहा कि यह माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की प्रतिबद्धता थी कि 6 दिसंबर, 2024 को संसद भवन, नई दिल्ली में ऑल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा ज्ञापन सौंपा जाएगा और 16 मार्च, 2025 को कोकराझाड़ के दोतोमा में आयोजित ऑल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन के 57वें वार्षिक सम्मेलन के खुले सत्र में उपेंद्र नाथ ब्रह्म मार्ग और प्रतिमा का नामकरण करने की घोषणा की जाएगी। यह सम्मान बोड़ोफा के प्रभाव और समुदायों को सशक्त बनाने के उनके प्रयासों को उजागर करता है। यह कार्यक्रम नेताओं, नागरिकों और छात्रों को उनके जीवन, सिद्धांतों और स्थायी प्रभाव का सम्मान करने के लिए एक साथ लाएगा।

मतदाता सूची से डुप्लिकेट ...

है, जहां उसका नाम दर्ज है। मतदाता सूची से डुप्लिकेट नाम हटाने को लेकर चुनाव आयोग का लक्ष्य है कि देशभर में डुप्लिकेट वोटर लिस्ट की समस्या को तीन महीने में खत्म किया जाए। मौजूदा कानून के अनुसार अगर कोई मतदाता किसी उचित कारण से आधार नंबर नहीं दे पाता, तो उसकी मतदाता सूची से प्रविष्टि नहीं हटाई जा सकती। इस तरह, मतदाता सूची को साफ-सुथरा और सही बनाने की प्रक्रिया तेज की जा रही है, लेकिन आधार साझा करना पूरी तरह स्वैच्छिक बना रहेगा।

बिप्लब से भिड़ें, मुझसे ...

कैसे नियुक्तियां की गईं। कांग्रेस को लोगों को यह याद दिलाने के लिए प्रेस कांफ्रेंस की जरूरत नहीं है। उनकी यह टिप्पणी असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन बोरा द्वारा मुख्यमंत्री पर तीखा हमला करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम जारी करने के कुछ घंटों बाद आई है। बोरा ने शर्मा के बयान को *न केवल अपमानजनक बल्कि पूरी तरह से झूठा* बताया। बोरा ने सवाल किया कि हमारे 15 साल के शासन के दौरान हज़ारों महिलाओं को शिक्षक, आशा कार्यकर्ता, प्रोफेसर, नर्स और अन्य सरकारी पदों पर नियुक्त किया गया। क्या उस समय हिमंत विश्व शर्मा ने भी धृतराष्ट्र की तरह अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी थी, जबकि वे खुद कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री थे? मुख्यमंत्री पर कामकाजी महिलाओं और उनके परिवारों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने का आरोप लगाते हुए बोरा ने चेतावनी दी कि यदि शर्मा माफी मांगने में विफल रहे तो कांग्रेस कानूनी सहारा लेगी। उन्होंने कहा कि हम असम प्रदेश महिला कांग्रेस को उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्देश देंगे। यह विवाद शर्मा द्वारा हाल ही में एक चुनावी रैली के दौरान की गई टिप्पणी से उपजा है, जहां उन्होंने कहा था कि कांग्रेस शासन में जिन महिलाओं को सरकारी नौकरी मिली, उन्होंने अपनी गरिमा से समझौता करके ऐसा किया है – इस टिप्पणी से विपक्षी कांग्रेस में व्यापक आक्रोश फैल गया है।

असम एचएस 2025...

2025 के परिणाम कल (30-04-2025) सुबह 9:00 बजे घोषित किए जाएंगे। एएसएसईबी जल्द ही आधिकारिक अधिसूचना जारी करेगा। मंत्री ने बताया कि इस वर्ष कुल 3,02,420 छात्र परीक्षा में बैठे। परीक्षाएं 13 फरवरी को शुरू हुईं और 17 मार्च, 2025 को संपन्न हुईं। अधिकारियों ने राज्य भर में 856 केंद्रों पर परीक्षाएं आयोजित कीं।

आर्थिक मोर्चे पर ...

नहीं है। हां, इस बात के संकेत हैं कि आने वाले समय में गुजरात जरूरत महाराष्ट्र को जरूर पीछे छोड़ कर नंबर वन स्थिति हासिल कर लेगा। केयरएज के मुताबिक पश्चिमी क्षेत्र के राज्य राजकोषीय, आर्थिक व वित्तीय मानकों में सबसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं जबकि दक्षिणी राज्यों ने आर्थिक, पर्यावरण, सरकारी प्रशासन के क्षेत्र में ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करते दिखे हैं। पूर्वोत्तर, पहाड़ी व छोटे राज्यों का एक अलग समूह बनाया गया है जिसमें गोवा का प्रदर्शन सबसे बेहतर माना गया है। अगर समग्र तौर पर देखा जाए तो 17 प्रमुख राज्यों की सूची के शीर्ष में 10 राज्यों में सिर्फ हरियाणा और पंजाब है। हरियाणा छठे स्थान पर है जबकि पंजाब 10वें स्थान पर। इन दोनों राज्यों ने बेहतर ढांचागत क्षेत्र, बेहतर रेल नेटवर्क और अच्छी सिंचाई व्यवस्था होने की वजह से शीर्ष दस राज्यों में स्थान बनाया है। ओडिशा को नौवां स्थान दिया गया है। रिपोर्ट में यह कहा गया है कि ओडिशा ने राजकोषीय प्रबंधन में देश में सबसे बेहतर काम किया है। लिहाजा ना सिर्फ उसका राजकोषीय घाटा बहुत ही कम हो गया है बल्कि राज्य के कुल राज्य में राजस्व और कर्ज चुकाने के बीच का अनुपात बहुत ही बेहतर हुआ है। यानी राज्य के कुल राजस्व का कम हिस्सा कर्ज चुकाने में जा रहा है। केयरएज रेटिंग्स की प्रमुख अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा का कहना है कि दूसरे सभी राज्यों को ओडीसा से सीखने की जरूरत है। केयरएज रेटिंग्स की यह दूसरी रिपोर्ट है। पहली रिपोर्ट वर्ष 20023 में जारी की गई थी। पहली रिपोर्ट में महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु का पहला तीन स्थान दिया गया था, इस बार तीसरा स्थान कर्नाटक का है। तमिलनाडु पांचवें स्थान पर चला गया है। तेलंगाना चौथे स्थान पर है। विगत रिपोर्ट में मध्य प्रदेश 13वें स्थान पर था जो अब 15वें स्थान पर आ गया है। उत्तर प्रदेश ने एक स्थान का सुधार किया है और अब यह 14वें स्थान पर आ गया है। झारखंड और बिहार की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है और ये क्रमश: 16 व 17वें स्थान पर है। वैसे बिहार की आर्थिक विकास की दर तेज हुई है जिसके बारे में कहा गया है कि बहुत ही कम आधार (बेस) होने की वजह से विकास दर तेज हो रही है। केयरएज ने राज्यों की रेटिंग के लिए सात प्रमुख आधार बनाये हैं और इनकी रैंकिंग के लिए 50 अलग-अलग मानकों का इस्तेमाल किया है।

पत्रकारिता की स्वतंत्रता ...

मुकाबला करने का सबसे प्रभावी साधन बताया। उन्होंने पिछले साल अपनाए गए *वैश्विक डिजिटल कॉम्पैक्ट* का जिक्र करते हुए, कहा कि इसमें डिजिटल स्थान में सूचना अखंडता और सहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम शामिल हैं। उन्होंने एआई को मानवाधिकारों के अनुरूप ढालने की आवश्यकता पर जोर दिया। गुटेरेश ने सभी देशों से अपील की कि वे पत्रकारिता की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने और हर जगह प्रेस की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों। उन्होंने इस विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर एकजुटता और समर्थन की आवश्यकता को दोहराया, ताकि पत्रकार अपनी भूमिका निभा सकें और समाज में सच्चाई को उजागर कर सकें।

बंगाल में सेना जवान...

लिखा था कि पाकिस्तान जिंदाबाद। गौरव का सिर चाहिए। बंगाल को पाकिस्तान बना देंगे। यही नहीं, अगले दिन यानी सोमवार को भी एक और वैसा ही पोस्टर उसी घर में खिड़की के जरिए फेंका गया। घटना के बाद गौरव के पिता गौतम मुखोपाध्याय ने स्थानीय थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाई। हुगली ग्रामीण पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से पता चला कि दो युवक स्कूटर से आए और पोस्टर चिपका कर चले गए। अब यह जांच का विषय है कि वे युवक कौन थे। क्या यह कोई शरारत थी या फिर इसके पीछे आतंकी मानसिकता या किसी गुट का हाथ है? घटना की खबर मिलते ही स्थानीय विधायक असीमा पात्रा जवान के घर पहुंचीं और परिवार को भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रशासन गंभीरता से जांच कर रहा है। जो कोई भी इस घटना के पीछे है, उसे जल्द पकड़कर कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

धरती पर भगवान ...

को जागृत करता है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भगवान परशुराम के आदर्श हमारे जीवन में सदाचार और शौर्य की भावना को सदैव जीवित रखते हैं। उन्होंने सभी लोगों से उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में नैतिकता और न्याय के मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया। डॉ. शर्मा ने परशुराम जयंती की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

पंचायत चुनाव में जनता विकास यात्रा के समर्थन में खड़ी होगी : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि आसन्न पंचायत चुनाव में जनता विकास यात्रा के समर्थन में खड़ी होगी। राज्य में पंचायत चुनाव की सरगर्मी के बीच भाजपा ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि देश व राज्य में भाजपा नेतृत्व वाली सरकारों की जो निरंतर विकास यात्रा चल रही है, उसमें असम की जनता भागीदार है। एक चुनावी सभा में प्रदेश अध्यक्ष सैकिया ने आरोप लगाया कि आजादी के बाद लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए तुष्टिकरण और जनजातीय समुदायों के बीच विभाजन की नीति अपनाई, जिसका जवाब देश और असम की जनता पहले भी दे चुकी है और आसन्न पंचायत चुनाव में भी देगी। प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में विकसित भारत और असम को देश के अग्रणी राज्यों में बदलने के संकल्प के साथ भाजपा नीत गठबंधन सरकार राज्य के हर क्षेत्र में विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि टिकट के बदले धन लेने जैसे आरोपों से घिरी कांग्रेस अब अपने ही कार्यकर्ताओं के आक्रोश का सामना कर रही है, जो शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 15 साल के शासन में विकास केवल लुंगी, कंबल और सूता तक सीमित था। लेकिन आज भाजपा शासन में *अरुणोदय, निजुत मईना, उद्यमिता* जैसी योजनाओं के जरिए असम की जनता को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया गया है। राज्य की चाय जनजाति, आदिवासी समुदाय और अन्य मूलनिवासी जातियों के अधिकारों की रक्षा और उनके संवर्धन के लिए वर्तमान सरकार निरंतर प्रयासरत है। इसलिए विकास, प्रगति और सुरक्षा के लिए भाजपा और एनडीए के समर्थन में मतदान कर एक समृद्ध पंचायत के निर्माण में भागीदार बनने की अपील की गई है। देशभर में, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, भाजपा और एनडीए शासन में जनता ने सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता और भ्रष्टाचारमुक्त व्यवस्था का अनुभव किया है और इसी कारण हर चुनाव में भाजपा और गठबंधन उम्मीदवारों को रिकॉर्ड मतों से विजय मिली है। *सेवा ही संगठन* के मंत्र को सामने रखकर भाजपा कार्यकर्ता पंचायत चुनाव में भी सेवा भाव से जनता के बीच पहुंच रहे हैं और जनता का आशीर्वाद व समर्थन प्राप्त कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता बरुवा ने विश्वास जताया कि भाजपा और एनडीए आगामी पंचायत चुनाव में अपनी विजय यात्रा को जारी रखने में सफल होंगे।

ड्रग्स के खिलाफ कछार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 6.7 करोड़ की हेरोइन और याबा जब्त

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ अपनी मुहिम को तेज करते हुए सोमवार तड़के एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर सिलचर बाईपास के पास एक संदिग्ध वाहन (एएस- 11 एफसी-7989) को रोका गया और उसमें सवार दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान हुसैन अहमद लस्कर (35, सिलचर) तथा जैनुल हुसैन लस्कर (39, सिलचर) के रूप में हुई है। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस को भारी मात्रा में संदिग्ध मादक पदार्थ बरामद हुए, जिनमें 114 ग्राम हेरोइन तथा 20,000 याबा टैबलेट्स (नशीली गोलियां) शामिल हैं। जब्त मादक पदार्थों की अंतर्राष्ट्रीय काले बाजार में कीमत लगभग 6.7 करोड़ रुपए आंकी गई है। मौके पर ड्रग्स डिटेक्शन किट का इस्तेमाल किया गया, जिसमें हेरोइन और एम्फेटामीन के लिए पॉजिटिव परिणाम प्राप्त हुए।

पाकिस्तान का बचाव करने पर असम में 27 गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के पक्ष में कथित तौर पर बयान देने और समर्थन करने के आरोप में असम पुलिस ने अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने की है। गिरफ्तार किए गए लोगों में विपक्षी पार्टी एआईयूडीएफ के विधायक अमीनुल इस्लाम भी शामिल हैं, जिन पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। उन पर पाकिस्तान का पक्ष लेने वाले बयान देने का आरोप है। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि अब तक 27 देशद्रोही पकड़े गए हैं। इससे पहले 28 अप्रैल को उन्होंने 22 गिरफ्तारियों की जानकारी दी थी। ताजा गिरफ्तारियां श्रीभूमि और कामरूप जिलों में की गईं। शर्मा ने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो गिरफ्तार लोगों पर नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) भी लगाया जा सकता है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत और पाकिस्तान में कोई समानता नहीं है। ये दोनों दुश्मन देश हैं और हमें हमेशा ऐसा ही मानना चाहिए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम के पास बैसरन में हुए उस आतंकी हमले के बाद की जा रही है, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी।

चोरी के सामान के साथ चोर गिरफ्तार, कबाड़ी से बरामदगी

गुवाहाटी (हिंस)। बशिष्ठ पुलिस ने साउकुची विष्णु राभा पथ से अकेस अली (40) को गिरफ्तार किया। आरोपी बरपेटा का स्थायी निवासी है। चोर की निशानदेही पर पुलिस ने कबाड़ी जोनाब अली के गोदाम पर छापा मारा। जोनाब अली भी बरपेटा का निवासी है। पुलिस मुख्यालय से जारी आज एक बयान के अनुसार छापे में पुलिस ने 28 किलो एल्यूमिनियम वायर, 47 किलो कॉपर वायर बरामद किया। साथ ही एक बैटरी, दो ड्रिल मशीन, दो कटर मशीन, एक वेल्डिंग कटर मशीन, एक गैस कटर मशीन बरामद हुई। इनके अलावा एक सेमसंग मोबाइल और एक पोको मोबाइल भी जब्त किए गए। पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मोदी सरकार ने विश्व में भारत की नई पहचान बनाई : सोनोवाल

डिब्रूगढ़ (हिंस)। आगामी 2 मई को होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर असम के टेंगाखाट स्थित घांही फुकनबाड़ी खेल मैदान में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि 55 वर्षों तक कांग्रेस ने भारत को केवल नारों में ही उलझाए रखा, लेकिन 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया में एक नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक अन्न, वस्त्र और आवास के नाम पर जनता को गुमराह किया। इंदिरा आवास योजना समेत कई योजनाओं में भ्रष्टाचार हुआ और अधूरे घर छोड़ दिए गए। सोनोवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए मैंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत इन घरों का पुनर्निर्माण कराया। सभा में उन्होंने भाजपा-एजीपी गठबंधन के चार जिला परिषदों, 16 क्षेत्रीय पंचायतों और 160 वार्ड सदस्य उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार ने पारदर्शी तरीके से 14 करोड़ शौचालय बनाए, उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर देकर गरीबों को चूल्हे के धुएं से मुक्त किया और पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत गांवों और चाय बागानों को पक्की सड़कों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य भर में योजनाएं सफलतापूर्वक लागू की जा रही हैं, जिनका लाभ दुलियाजान विधानसभा क्षेत्र की जनता को भी मिल रहा है। सभा में दुलियाजान के विधायक तेरेस गोवाला, राज्यसभा सांसद रामेश्वर तेली, एजीपी के केंद्रीय उपाध्यक्ष पुतुल सोनोवाल, भाजपा डिब्रूगढ़ जिलाध्यक्ष दुलाल बोरा, उपाध्यक्ष सुदर्शन बसुमतारी, असम हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन सुभाष दत्ता, एजीपी जिला अध्यक्ष आदित्य गोस्वामी, समष्टि समिति अध्यक्ष टुलटुल हुसैन, भाजपा चाय प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेन कुमार, टेंगाखाट मंडल अध्यक्ष दीपक सोनोवाल, दुलियाजान मंडल अध्यक्ष हेमराज शर्मा, असम पेट्रो केमिकल्स लिमिटेड के चेयरमैन बिकुल डेका और असम गैस कंपनी के उपाध्यक्ष इंद्र गोगोई समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

12 घंटे में चोर गिरफ्तार चोरी गया एसी बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। बशिष्ठ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक चोर को शिकायत मिलने के महज 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गया एयर कंडीशनर (एसी) भी बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जियारुल इस्लाम (39) के रूप में हुई है। वर्तमान में वह बोंगाओं, लक्ष्मी मंदिर के पास, बशिष्ठ थाना क्षेत्र में अहेक इस्लाम के यहां रह रहा था। पुलिस के अनुसार, चोरी की शिकायत मिलते ही जांच शुरू की गई और सटीक सुरागों के आधार पर आरोपी को धर दबोचा गया। उसके पास से चोरी हुआ एसी मशीन बरामद कर लिया गया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पूसी रेलवे का समर स्पेशल ट्रेनों के व्यापक नेटवर्क का परिचालन

गुवाहाटी (हिंस)। गर्मी के मौसम के दौरान बढ़ते पैसेंजर ट्रैफिक को समायोजित करने और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसी रेलवे) सक्रिय रूप से स्पेशल ट्रेनों की एक श्रृंखला का परिचालन कर रहा है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने मंगलवार को बताया कि एसएमवीटी बेंगलुरू-नारंगी, डिब्रूगढ़-कोलकाता, एसएसएस हुब्बल्लि-कटिहार, सिलचर-कोलकाता, गुवाहाटी-श्री गंगानगर, न्यू जलपाईगुड़ी-अयोध्या छावनी, कामाख्या-आनंद विहार टर्मिनल, कटिहार-अमृतसर, न्यू तिनसुकिया-एसएमवीटी बेंगलुरू और आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी सहित प्रमुख मार्गों के बीच विशेष सेवाएं प्रदान की गई हैं। अतिरिक्त ट्रेन सेवाएं हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी, सियालदह-जागीरोड, उदयपुर सिटी-फारबिसगंज, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-नारंगी और श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-गुवाहाटी के बीच भी चल रही है। गर्मी के मौसम में भीड़-भाड़ के बीच व्यवस्था बनाए रखने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, पूसी रेलवे ने भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष रूप से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मियों को तैनात किया है। पूसी रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके अतिरिक्त, पूसी रेलवे के वाणिज्यिक कर्मचारियों को सक्रिय रूप से तैनात किया गया है और यात्रियों के प्रवाह को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने तथा आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए उन्हें हाई अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए, पूसी रेलवे भविष्य में और अधिक समर स्पेशल ट्रेनें शुरू करने की योजना बना रहा है। इस सकारात्मक दृष्टिकोण का उद्देश्य यात्रियों की जरूरतों को पूरा करना और व्यस्त यात्रा अवधि के दौरान अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना है।

पुलिस ने 24 घंटे में वाहन व करोड़ों का माल किया बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बशिष्ठ थाना क्षेत्र में 60 से 90 लाख रुपए कीमती सामान की चोरी के मामले में पुलिस ने तेज कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर वाहन समेत करोड़ों का सामान बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। असम पुलिस के प्रवक्ता द्वारा मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार शिवशक्ति रोडवेज के इन्द्रजित राजबंशी ने 28 अप्रैल को बशिष्ठ थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्होंने नालापारा से श्रीभूमि तक सामान ढुलाई के लिए एक दलाल के जरिए छह चक्का वाहन (एएस 13 एसी 5860) किराए पर लिया था। लेकिन बाद में वाहन चालक, वाहन मालिक और दलाल ने अपने मोबाइल फोन बंद कर लिए और जिम्मेदारी से इनकार कर दिया। शिकायत के बाद बशिष्ठ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सोनापुर (एनएच के पास) से वाहन को लावारिस हालत में बरामद किया और वाहन मालिक अब्दुस सलाम (32, बरपेटा) को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हाजो थाना क्षेत्र के सतलाबाड़ी में छापेमारी कर दूसरे आरोपी रहीम बादशाह (43) को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से भारी मात्रा में चोरी किया गया सामान बरामद किया। बरामद सामानों में विभिन्न साइज के डाइना रूफ टिन शिट्स (करीब आठ टन), दो बोरे ढीली रुई (प्रत्येक 40 किलो), *शिकार* ब्रांड के चार कार्टून (हर एक में 50 छोटे कार्टून, प्रत्येक में 24 पैकेट), 15 कंटेनर वाला एक कार्टून *रजनीगंधा*, 52 छोटे कार्टूनों वाला एक कार्टून *तुलसी*, 60 छोटे रजनीगंधा कार्टूनों वाला एक बड़ा कार्टून तथा 10,000 कागजी कप वाले दो प्लास्टिक बोरे शामिल हैं। इसके अलावा, पुलिस ने सालमारी चर से तीसरे आरोपी इनुस अली (28) को भी गिरफ्तार किया और हाजो थाना क्षेत्र के बंगालपाड़ा स्थित एक गोदाम से और भी चोरी का माल जब्त किया, जिसमें अगरबत्ती के 35 कार्टून, रजनीगंधा के चार कार्टून, कागजी कप के 13 कार्टून, टिश्यू रोल्स के 13 कार्टून, बाल्टियों से भरा एक बोरा तथा *तुलसी* ब्रांड के उत्पादों का एक कार्टून शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और भी गिरफ्तारियां संभव हैं।

कोकराझाड़ : मैट्रिक उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

कोकराझाड़ (विभास)। अखिल असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन के शक्तिआश्रम आंचलिक समिति के नेतृत्व में आज मैट्रिक परीक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किए गए। इससे पहले सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों का सम्मानित किए गए। इस सभा में कुल 43 छात्र-छात्राओं को बंगाली गमछा, डायरी और कलम देकर उन्हें सम्मानित किए गए। इस सम्मान समारोह में फेडरेशन के केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष गोपाल घोष, बीटीसी जोनल समिति के साधारण सचिव इंद्रजीत देवनाथ, कोकराझाड़ जिला समिति के सांगठनिक सचिव बाप्पी सरकार, शक्तिआश्रम आंचलिक समिति के अध्यक्ष देबा सरकार, सचिव जयदीप सरकार और चितला अंचलिक समिति के अध्यक्ष हिरा रय और चीफ एडवाइजर संजय देबनाथ उपस्थित थे। इसके अलावा कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने रंगिया में आयोजित विशाल *विजय संकल्प रैली* में लिया भाग

रंगिया (निसं)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज रंगिया क्षेत्र के अंतर्गत सेप्टी मोदी फील्ड में आयोजित विशाल *विजय संकल्प रैली* में भाग लेते हुए पंचायत चुनावों में भाजपा मित्र गठबंधन के नामित प्रत्याशियों के लिए चुनावी प्रचार किया। मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष दिलीप सैकिया, स्थानीय विधायक भबेश कलिता, मंत्री रंजीत पाल, विधायक दिगंत कलिता, सुमन हरीप्रिया भी थे। उन्होंने आज की सभा में लोगों को संबोधित करते हुए कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां की। लुंगी धोती के प्रति हमारा प्यार नहीं है। कांग्रेस के समय नौकरी के बदले पैसे लेकर नेताओं ने बड़े-बड़े घर बना लिए, लेकिन हम अभी भी तामोल-पान खाए बिना डेढ़ लाख नौकरी दे दी। जीओ टैगिंग के नाम पर कष्ट भोगने की जरूरत नहीं है। राशन कार्ड होने पर इनकम सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं है, कॉलेज में मुफ्त में नामांकन होगा। हजारों वेतन, आयुष्मान भारत, आयुष्मान असम दे रहे हैं। गैस का दाम 300 रुपए कम होगा। 1 अक्तूबर से दाल, चीनी, नमक बाजार से 30 रुपए कम में मिलेगा। आने वाले महीनों में महिलाओं को 10 हजार रुपए दिए जाएंगे और यदि अच्छी मेहनत करेंगे तो आने वाले साल 25 हजार तक दिए जाएंगे। आज भी कांग्रेस पार्टी को हाथ के विपरीत लुंगी की तस्वीर में वोट मांगने के लिए कहते हुए मुख्यमंत्री ने कटाक्ष किया। उन्होंने कांग्रेस के दौरान लुंगी, धोती, सूत, कंबल तथा मच्छरदानी के अलावा कुछ नहीं दिया गया। वहीं आज बैंक गए बिना अरुणोदय की रकम प्राप्त करने का उल्लेख किया। साथ ही राज्यिक अध्यक्ष दिलीप सैकिया के सहयोग पर सुद सहित लौटाने की बात कही।

चोरी करने वाले चोर गिरफ्तार, स्क्रैप यार्ड से बरामद हुआ माल

गुवाहाटी (हिंस)। चांदमारी पुलिस ने पेंशनपारा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बनाए जा रहे सड़क किनारे नाले के निर्माण स्थल से लगभग 75 किलोग्राम सरिया चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सानिदुल इस्लाम (बरपेटा), निजाम अली (खारपेटिया), उद्‌भव अली (ग्वालपाड़ा), मनोवर हुसैन (ग्वालपाड़ा) और अब्दुल अजीट (चांदमारी) शामिल हैं। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सभी आरोपियों को धर-दबोचा और चोरी की गई सरिया को पास के एक स्क्रैप यार्ड से बरामद कर लिया। इस मामले में स्क्रैप यार्ड मालिक की भी संलिप्तता सामने आई है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

बिहू आयोजन कर सोहम ने मनाया रजत जयंती वर्ष

गुवाहाटी। असम सहित पूर्वोत्तर में रिटेल व्यापार के क्षेत्र में एक भरोसेमंद नाम सोहम ने अपने गौरवशाली 25 वर्ष पूर्ण किया। सोहम की ओर से बिहू आयोजन कर कर्मचारियों के साथ रजत जयंती वर्षगांठ की खुशियां मनाई गई। महानगर के भांगागढ़ स्थित जीएमसीएच ऑडिटोरियम में सोहम की ओर से रंगारंग बिहू समारोह का भव्य आयोजन किया। समारोह में सोहम के निदेशक मनोहर जालान, सीईओ संदीप जालान की उपस्थिति से कर्मचारियों में उत्साह का माहौल देखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मनोहर जालान द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस मौके पर श्री जालान ने कहा कि रिटेल के क्षेत्र में किसी भी संस्थान द्वारा 25 साल पूरे करना गर्व की बात है। सोहम की इस गौरवशाली 25वीं वर्षपूर्ति की यात्रा के लिए उन्होंने अपने सभी प्रतिष्ठित ग्राहक, सहयोगी एवं कर्मचारियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनकी कड़ी मेहनत व लग्न के चलते समूचे पूर्वोत्तर में सोहम एक ब्रांड बन चुका है। उन्होंने आशा जताई कि जो विश्वास ग्राहकों ने सोहम के प्रति दिखाया है व विश्वास व अटूट बंधन आने वाले वर्षों में भी इसी तरह जारी रहेगा। इस दौरान अपनी भावना को प्रकट करते हुए संदीप जालान ने कहा कि ग्राहकों से हमें जो प्यार और समर्थन मिला है, उससे हम बहुत ही विनम्र और सम्मानित महसूस कर रहे हैं। राज्य के सबसे बड़े उत्सव बिहू के त्यौहार के दौरान सोहम के 25 वर्षों का जश्न मनाने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि हम आने वाले वर्षों में अपने ग्राहकों को और भी अधिक जुनून और उत्कृष्टता के साथ सेवा देने की अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करते हैं। तत्पश्चात रंगारंग पारंपरिक बिहू कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जीवंत संगीत का सभी कर्मचारियों ने अपने पूरे परिवार के साथ जमकर आनंद उठाया। इस दौरान सोहम के अलग-अलग स्टोर के महिलाओं एवं पुरुष कर्मचारियों ने अलग-अलग राज्यों के परिधानों को धारण कर रैंप पर कैटवॉक किया। इस मौके पर युवा उद्यमी सिद्धार्थ जालान ने कहा कि सोहम अपने ग्राहकों की आकांक्षाओं के साथ विकसित होने के लिए समर्पित है, जबकि परंपराओं और संस्कृति में निहित है जो हमारी इस यात्रा को प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि 2000 में सोहम की यात्रा शुरू हुई थी। 25 वर्षों के इस सफर में सोहम सबसे भरोसेमंद खुदरा गंतव्यों में से एक बन गया है, जो गुणवत्ता, सेवा और ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता के साथ उत्पादों की एक असाधारण श्रृंखला पेश करता है।

संपादकीय

यह सवालों का समय नहीं

सबसे महत्वपूर्ण और प्रथम राष्ट्र है। प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, सांसद, राजनीतिक दल और देश के औसत नागरिक उसके हिस्से हैं। राष्ट्र का अस्तित्व है, तो सभी का अस्तित्व है। पहलगाम नरसंहार हमारे भारत की आत्मा, अस्तित्व और संप्रभुता पर हमला था। उसे तनिक भी भुलाया नहीं जा सकता। भारत को हिंदू और मुसलमान में विभाजित कर आघात नहीं किया जा सकता। हम ऐसा आघात बर्दाश्त नहीं करेंगे, क्योंकि राष्ट्र के सवाल पर सभी समुदाय एकजुट हैं। नरसंहार के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। उसमें सवाल जरूर उठे होंगे, लिहाजा मोदी सरकार ने खुफिया-सुरक्षा चूक को भी स्वीकार किया। जो नेता कट्टरपंथी किस्म के दिखाई देते हैं, आज वे भी सरकार के साथ हैं और प्रधानमंत्री मोदी के किसी भी फैसले का समर्थन कर रहे हैं। वक्फ जैसा संवेदनशील मुद्दा नेपथ्य में डाल दिया गया है। फिलहाल आतंकवाद पर आंख गड़ी है और उसे सबक सिखाना है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के जरिए नरसंहार के पीड़ित परिवारों के साथ अपनी व्यथा और अपना गुस्सा साझा किए हैं। एक बार फिर उन परिवारों को आश्वस्त किया गया है कि न्याय जरूर मिलेगा। हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब जरूर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री को एहसास है कि हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर, खौल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के इस आश्वासन पर भरोसा करना चाहिए। हमले के तुरंत बाद आतंकियों और उनके आकाओं पर पलटवार के तौर पर हमला नहीं किया जा सकता। यह भी कूटनीतिक और सामरिक रणनीति का हिस्सा है। दिल्ली से कश्मीर तक बैठकों और गहन जांच के दौर जारी हैं। जांच में इसरो को भी शामिल किया गया है। 10 आतंकियों के घर जमींदोज कर दिए गए हैं। कुछ घरों में विस्फोटक भी दिखे हैं। करीब 2000 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। तीनों सेनाओं के प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच 40 मिनट की मुलाकात हुई। जाहिर है कि पाकिस्तान पर हमले के प्रारूपों पर विमर्श हुआ होगा! दुनिया के 40-45 देशों के राष्ट्राध्यक्षों, राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों आदि ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की है और आतंकवाद के खिलाफ भारत को भरपूर समर्थन दिया है। प्रमुख मुस्लिम देश भी भारत के साथ खड़े हैं। चीन, तुर्किये सरीखे देशों ने भी पाकिस्तान को सार्वजनिक समर्थन नहीं दिया है। वे पाकिस्तान की फितरत और हकीकत जानते हैं। क्या कुछ विपक्षी दलों को ये गतिविधियां दिखाई नहीं देती हैं? यह सवालों का नहीं, राष्ट्र के तौर पर एकजुट दिखने का समय है। प्रधानमंत्री का सर्वदलीय बैठक में न आ पाना कोई बुनियादी सवाल नहीं है। बैठक में रक्षा मंत्री और गृह मंत्री थे, जो सुरक्षा और खुफिया संबंधी सवालों के प्रति पूरी तरह जवाबदेह होते हैं। क्या उनकी मौजूदगी महत्वपूर्ण नहीं थी? यह फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल किए गए कथित 300 किग्रा आरडीएक्स विस्फोटक पर बार-बार सवाल करने का समय नहीं है। यह किसी कथित आतंकी को भाजपा का टिकट देने पर सवाल करने का भी समय नहीं है। यह आतंकी हमले गिनवाने का भी समय नहीं है। घटना 1984 की है, लिहाजा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके आधिकारिक आवास में हत्या को सबसे अहम सुरक्षा चूक करार देना आज न तो प्रासंगिक है और न ही उचित समय है।

> भारत को हिंदू और मुसलमान में विभाजित कर आघात नहीं किया जा सकता। हम ऐसा आघात बर्दाश्त नहीं करेंगे, क्योंकि राष्ट्र के सवाल पर सभी समुदाय एकजुट हैं। नरसंहार के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। उसमें सवाल जरूर उठे होंगे, लिहाजा मोदी सरकार ने खुफिया-सुरक्षा चूक को भी स्वीकार किया। जो नेता कट्टरपंथी किस्म के दिखाई देते हैं, आज वे भी सरकार के साथ हैं और प्रधानमंत्री मोदी के किसी भी फैसले का समर्थन कर रहे हैं। वक्फ जैसा संवेदनशील मुद्दा नेपथ्य में डाल दिया गया है। फिलहाल आतंकवाद पर आंख गड़ी है और उसे सबक सिखाना है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के जरिए नरसंहार के पीड़ित परिवारों के साथ अपनी व्यथा और अपना गुस्सा साझा किए हैं। एक बार फिर उन परिवारों को आश्वस्त किया गया है कि न्याय जरूर मिलेगा। हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब जरूर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री को एहसास है कि हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर, खौल रहा है।

वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था

न्यायिक नियुक्ति आयोग के खात्मे का दर्द नहीं भूली केंद्र सरकार

योगेंद्र योगी

> सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार द्वारा संसद में पारित किए गए न्यायिक नियुक्ति आयोग को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखा था। इस आयोग के जरिए केंद्र सरकार चाहती थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में उसकी भी भूमिका होनी चाहिए। अकेले सुप्रीम कोर्ट को यह हक नहीं होना चाहिए कि अपने चहेते न्यायाधीशों की नियुक्ति करे। केंद्र सरकार की न्यायिक आयोग बनाए जाने की मंशा यही थी कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसके द्वारा चयनित न्यायाधीशों के मौजूद होने से पक्ष में फैसला होने की संभावना रहेगी।

राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से केंद्र सरकार से उत्पन्न टकराहट की जड़ में न्यायिक नियुक्ति आयोग पर दिया गया फैसला है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार द्वारा संसद में पारित किए गए न्यायिक नियुक्ति आयोग को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखा था। इस आयोग के जरिए केंद्र सरकार चाहती थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में उसकी भी भूमिका होनी चाहिए। अकेले सुप्रीम कोर्ट को यह हक नहीं होना चाहिए कि अपने चहेते न्यायाधीशों की नियुक्ति करे। केंद्र सरकार की न्यायिक आयोग बनाए जाने की मंशा यही थी कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसके द्वारा चयनित न्यायाधीशों के मौजूद होने से पक्ष में फैसला होने की संभावना रहेगी। न्यायिक आयोग में सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों का भी प्रावधान किया गया था। सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है। इस फैसले पर भी खूब वाद-विवाद हुआ था। न्यायिक आयोग के जरिए केंद्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में दखलंदाजी करने और इसे राजनीतिक अखाड़ा बनाने की बात कही गई थी। दूसरी तरफ न्यायिक आयोग की पैरवी करने वाले केंद्र सरकार के पैरवीकारों का कहना था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में भाई-भतीजावाद हावी है। आयोग के निरस्त होने का रंज केंद्र सरकार को अभी तक है। इसी वजह से राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार से छत्तीस का आंकड़ा बन गया है। तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल की तरह राष्ट्रपति के लिए भी दी समय-सीमा बताई है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। राज्य राष्ट्रपति की निष्क्रियता के खिलाफ अदालत जा सकते हैं। इस अवधि से अधिक किसी भी देरी के मामले में, उचित कारणों को दर्ज

करना होगा और संबंधित राज्य को बताना होगा। राज्यों से यह भी अपेक्षित है कि वे सहयोगात्मक बनें तथा उठाए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर सहयोग प्रदान करें तथा केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर शीघ्रता से विचार करें। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक बवंडर आ गया। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फ़ैसले को लेकर न्यायपालिका के बारे में सख्त टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उप राष्ट्रपति ने इसकी ओर इशारा करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 एक ऐसा परमाणु मिसाइल बन गया है जो लोकतांत्रिक ताक़तों के खिलाफ न्यायपालिका के पास चौबीसों घंटे मौजूद रहता है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि आप राष्ट्रपति को निर्देश दें। सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार किसने दिया है और वो किस आधार पर ऐसा कर सकता है। गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार देता है कि वो पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फ़ैसला दे सकता है चाहे वो किसी भी मामले में क्यों न हो। लेकिन उप राष्ट्रपति ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सिर्फ संविधान की व्याख्या कर सकता है। धनखड़ ने कहा कि हमारे पास ऐसे जज हैं जो अब कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम करेंगे और एक सुपर संसद की तरह भी काम करेंगे और कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे, क्योंकि इस देश का क़ानून उन पर लागू तो होता नहीं। उप राष्ट्रपति ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के दिल्ली आवास से कथित तौर पर जले नोट मिलने के बाद भी एफआईआर दर्ज न होने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये घटना किसी आम आदमी के घर में होती तो बिजली की गति से कार्रवाई होती। लेकिन यहां तो बैलगाड़ी की रफ्तार से भी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का चुनाव हो या लोकसभा का हर सांसद, विधायक और उम्मीदवार को अपनी संपत्ति घोषित करनी होती है लेकिन वे (जज) ऐसा कुछ नहीं करते। इस पर पलटवार करते हुए डीएमके राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि संविधान की रक्षा करने का अधिकारी होने से किसी व्यक्ति को ये अधिकार नहीं मिल जाता कि वो संसद में पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोक कर रख सकता है। सीपीआई नेता डी राजा ने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने लिए चेक एंड बैलेंस जरूरी है। संविधान का अनुच्छेद 74(1) यह साफ कहता है कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से बंधे हैं। राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद पर रहते हुए, ऐसे मामलों में स्वतंत्र विवेक का इस्तेमाल नहीं करते। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति की टिप्पणी आरएसएस-भाजपा की ओर से विपक्ष के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों को कमज़ोर करने के लिए राज्यपाल की शक्तियों के दुरुपयोग को सही ठहराती है। हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृति ख़तरनाक ढंग से बढ़ी है। सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। सिब्बल ने उपराष्ट्रपति के बयानों को राजनीतिक करार देते हुए कहा कि उन्होंने आज तक किसी राज्यसभा सभापति को ऐसे बयान देते नहीं देखा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति केवल नाममात्र की प्रमुख हैं। वे कैबिनेट की सलाह और स्वीकृति पर कार्य करते हैं। उनके पास कोई व्यक्तिगत निर्णय लेने की शक्ति नहीं होती। सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना चाहिए। ऐसा करना उनका अधिकार है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि न्यूक्लियर मिसाइल तो नोटबंदी थी, तब किसी को तकलीफ नहीं हुई? दरअसल सत्तारुढ राजनीतिक दलों के राजनीतिक उद्देश्य होते हैं, जब ये संविधान के दायरे में पूरा नहीं होते तब अदालतों से टकराहट की नौबत आती है। इसकी पुनरावृत्ति निश्चित तौर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है। ऐसे विवादस्पद मुद्दों को सभी पक्षों को मिलबैठ कर निपटाने से ही देश की संवैधानिक विविधता और एकता-अखंडता मजबूत रहेगी।

दृष्टि कोण

जीएसटी का रास्ता आसान बनाने की जरूरत

देश में आर्थिक उदारीकरण के बाद जो सबसे बड़ा सुधार हुआ, वह था 'वन नेशन वन टैक्स' का फैसला। इसके तहत ही जीएसटी की नींव रखी गई। कई सरकारों से गुजरता हुआ यह अंत में जीएसटी के रूप में पहली जुलाई 2017 को संसद में पारित हुआ और इसे टैक्स वसूली और कारोबारियों को राहत देने की दिशा में एक गेम चेंजर माना गया। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस पर बहुत काम किया और उम्मीद जताई कि यह टैक्स भरने में एक सुगम व्यवस्था बन जाएगा। लेकिन शुरुआत बहुत बुरी हुई और पहले तो इसका वेबसाइट बार-बार क्रैश करने लगा और फिर बहुत से कॉलम भी आसानी से भरे नहीं जा रहे थे। इन तकनीकी समस्याओं से जूझते हुए भी इस सुधार को आगे बढ़ाया गया। लेकिन इसमें तरह-तरह की अड़चनें आने लगीं जिसका अंत अब तक होता नहीं दिख रहा है। कारोबारियों को बताया गया था कि यह आसान व्यवस्था होगी और उनके लिए टैक्स भरना पहले से भी आसान होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कई तरह की समस्याएं आती रहीं और कई तरह की विसंगतियां भी। लेकिन पूर्ण समाधान होता नहीं दिख रहा है। दरअसल जीएसटी को सुचारू रूप से लागू करने के लिए एक जीएसटी काउंसिल बनाई गई थी और वह अभी भी इसका काम देखती है। भारत सरकार के वित्त विभाग के अंतर्गत यह नहीं है, सिवा इसके कि केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसकी अध्यक्षता करती हैं। उन्हें अपने बूते किसी भी तरह का फैसला करने का अधिकार नहीं है। वहां जो भी फैसले होते हैं, वे सभी बहुमत से होते हैं, यानी सभी राज्यों के चुने प्रतिनिधियों जो सामान्य रूप से वित्त मंत्री होते हैं। यह इस काउंसिल का लोकतांत्रिक स्वरूप जताता है, लेकिन यह कई बड़े फैसले न ले पाने का कारण भी बनता है। वित्त मंत्री की बहुत इच्छा रही है कि पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में शामिल किया जाए, ताकि इसके दाम भी पूरे देश में लगभग एक समान हों, लेकिन कई सदस्य इसे होने नहीं दे रहे हैं। वे अपने राज्य के हित में चलते हुए ऐसा नहीं होने देते। जब भी किसी राज्य को अपना राजस्व बढ़ाना होता है, वह तुरंत ही पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा देता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कर्नाटक, जहां इनकी कीमतें सबसे ज्यादा हैं। अगर इस पर जीएसटी लगा होता तो ऐसा संभव नहीं था। यह तो हुई जनता की परेशानी। अब आते हैं कारोबारियों-व्यापारियों पर जो अब तक जीएसटी भुगतान में सहज नहीं हो पा रहे हैं। इसमें कई तरह की विसंगतियां हैं, मसलन दो तरह के सामान जो मिलकर एक उत्पाद होते हैं, उन पर अलग-अलग टैक्स दरें हैं। यह कारोबारी के लिए एक परेशानी है। अगर हम भारत के एक पॉपुलर स्नैक बन मस्का को देखें तो पाएंगे कि बन पर टैक्स की दर अलग है और मस्का यानी मक्खन पर अलग। अब व्यापारी किस दर से टैक्स लेगा? रेस्तरां में रोटी पर कम टैक्स है तो परांठे पर ज्यादा। बिना एसी वाले रेस्तरां के लिए अलग दर है तो एसी वाले के लिए अलग। खुले सामान पर कोई टैक्स नहीं है, लेकिन पैकेट में आते ही उस पर टैक्स लगेगा। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं जो जीएसटी की विसंगतियां बताते हैं। इसके अलावा कई सेवाओं पर 18 फीसदी का भारी भरकम टैक्स भी है। एक ओर तो सरकार जनता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जाहिर करती है, तो दूसरी ओर काउंसिल ने हेल्थ इंश्योरेंस पर 18 फीसदी जीएसटी लगा रखा है। व्यापारियों का कहना है कि दरों में विसंगति न हो और उन्हें तार्किक बनाया जाए। उनकी यह भी शिकायत है कि वे पूरे माह जीएसटी रिटर्न भरने में लगे रहते हैं, नहीं तो लाखों की देनदारी का नोटिस आ जाता है। रेस्तरां के एसी या नॉन एसी होने से जीएसटी कैसे घट-बढ़ सकता है जबकि आज देश में निम्न आय वर्ग के लोग भी भीषण गर्मी की मार से बचने के लिए अपने घरों में एसी लगाते हैं। इस समय टैक्स के चार स्लैब हैं- 5, 12, 18 और 28 फीसदी। इन्हें घटाकर तीन स्लैब करना चाहिए। इन दरों को तर्कसंगत बनाने से वैधानिक मामले कम हो जाएंगे। साथ ही, जीएसटी की रिटर्न प्रणाली और इनपुट टैक्स क्रेडिट नीति में भी बदलाव की जरूरत है। जीएसटी लागू हुए 8 वर्ष हो गए, लेकिन इसके नियमों में हर महीने बदलाव होते रहते हैं जिससे व्यापारियों में भ्रम पैदा होता है।

कुछ अलग

आओ कब्र खोदें

आंखें छोटी करते हुए वह मुझसे बोले, 'अगर मायने नहीं रखता तो उठाया क्यों जाता? पर यह पूछो कि किसके लिए मायने रखता है? जाहिर है हर रोज दो जून की रोटी के जुगाड़ में लगे लोगों के लिए ऐसे मुद्दे कोई मायने नहीं रखते। काम-धंधे में लगे लोगों के लिए भी इनका कोई मतलब नहीं होता। कौन अपनी रोटी या काम-धंधा छोड़ कर फालतू बातों में समय खराब करेगा। यह तो गुंडों-मवालियों और फसली बटेरों का काम है। जरूरी नहीं कि खादी में लिपटा हर मगज ऐसी सोच रखता हो। पर अधिकांश लोग ऐसे ही हैं और सत्ता में बने रहने के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं। ऐसे लोग जो अपने लिए मेहनत नहीं कर सकते वे देश और समाज के लिए क्या हाड़ तोड़ेंगे। उनका मकसद तो पैसा कमाना है, फिर चाहे वह कमीशन-घूस से आए या देश बेच कर आए। अगर ये लोग सामाजिक उत्थान का कोई लक्ष्य सामने रखेंगे तो देश सवाल करेगा। सवालों से बचने के लिए ये लोग समय-समय पर ऐसे मुद्दे खड़े करते रहते हैं। कभी धर्म सामने आएगा तो कभी इतिहास में विधर्मी शासक द्वारा किए गए अत्याचार, कभी भैंसें सामने आएंगी तो कभी कपड़ों से की जाने वाली पहचान। लेकिन कभी यह लक्ष्य सामने नहीं आता है कि वियतनाम की तरह अगले दस सालों में देश पूरी तरह साक्षर हो जाएगा या बांग्लादेश की तरह परिवार नियोजन शत-प्रतिशत लागू हो जाएगा। लेकिन अगर लोग पढ़े-लिखे होंगे और परिवार छोटे होंगे तो गरीबी ख़ुद-बख़ुद दूर कर लेंगे। याद रखना कि सत्ता कभी नहीं चाहती कि लोग ख़ुद मुख्तार हों। ऐसे लोग किसी भी सत्ता के लिए फायदेमंद नहीं होते। इसलिए आज़ादी के अमृत काल में भी न गरीबी हटी और बेरोजगारी तथा न गरीब और बेरोजगार। क्योंकि चुनावों में सत्ता तक पहुंचने के यही दो पहिये हैं। तुमने कभी सोचा है कि फ्रांस या रूस की क्रांतियां क्यों हुई थीं। अपने देश में गाहे-बगाहे प्रदर्शन होते रहते हैं, पर कभी इतने बड़े पैमाने पर क्रांति नहीं होतीं। छोटे-मोटे प्रदर्शनों को कुचलना आसान है। इसलिए सरकारें नस्ल, जाति, धर्म, संप्रदाय, इतिहास वगैरह के भेद और मुद्दों से समाज को विभाजित रखती हैं ताकि लोग कभी इक_ा न हो सकें। अगर ऐसा न होता तो कबाइली इलाकों के जंगलों सहित तमाम संसाधनों पर कब्जा कैसे होता? हसदेव और कांचा गचीबावली के जंगल कैसे कटते?' इतना कहते-कहते उनकी गंभीर आंखों से उदासी झांकने लगी। उनके साथ मैं भी गंभीर और उदास हो उठा। कुछ देर शांत रहने के बाद मेरी जिज्ञासा के कीड़े पुनः उसी तरह कुलांचे भरने लगे जैसे किसी नेता के जनसभा में संबोधन के लिए आमंत्रित न किए जाने पर होते हैं। मैंने उनसे कहा कि जब आपको इन सारी चीज़ों की इतनी गहरी समझ है तो आप अपने घर में क्यों कब्र खुदवा रहे हैं? इस बार वह तिरछी हंसी हंसते हुए बोले, 'पण्डित जी, स्वार्थ, खालिस स्वार्थ, शुद्ध सोने की तरह 24 कैरेट स्वार्थ। नौकरी में इतने पैसे बचते नहीं थे कि लाखों की ज़मीन ख़रीद कर, लाखों का मकान बनवा सकूं या महंगी गाड़ी ख़रीद सकूं। फिर बच्चों की पढ़ाई और तमाम तरह के ख़र्चे। इसलिए कमीशन खाई, रिश्वत खाई, घपले-घोटाले किए। फिर सरकार ने जांच बिठाई। अब इससे बाहर तो आना है। सरकारी नौकरी के दौरान बिगड़ी आदतें पेंशन से पूरी नहीं होतीं। इसलिए सरकारी दरबार में शामिल होना ज़रूरी है। क्या फर्क पड़ता है मेरे जैसे लोग किसी भी दरबार में अपनी गोटियां फिट कर सकते हैं।

देश दुनीया से

विकास और कृषि-पशुपालन ढांचा

देश एवं प्रदेश की खुशहाली के लिए कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र को मजबूत करने की नितांत आवश्यकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में फिर से विकास की बयार बहेगी तथा बेरोजगारी को दूर करने में कुछ हद तक मदद मिलेगी। लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा यदि सरकार इसके लिए अनुदान देती है। नकद राशि मिलने से बेरोजगार युवा खेतीबाड़ी करने के साथ ही पशु पालने में रुचि लेंगे। अन्यथा ग्रामीण क्षेत्र में यह स्थिति हो गई है कि लोगों को सब्जियां या दूध आदि का वितरण शहरों से हो रहा है। एक समय था जब ताजा शुद्ध दूध गांव-गांव से इकठ्ठा करके शहर ले जाया जाता था। फल व सब्जियां भी गांव से ही जाती थी। शहरवासी आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के उत्पादों को गुणवत्ता से परिपूर्ण मानते हुए बड़े चाव से उनका उपयोग करते थे। लेकिन अब परिस्थितियां विपरीत हो गई हैं। गांव के लोग भी शहर से लाए उत्पादों का बड़े चाव से सेवन कर रहे हैं। उसमें यह नहीं देख रहे हैं कि उनकी रसोई तक कितना खतरनाक कैमिकल पहुंच रहा है। एक समय था जब ग्रामीण स्तर पर कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय एक दूसरे के पूरक थे। पहले पशुओं, विशेषकर बैलों के बिना खेतीबाड़ी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। अब लोग इस काम में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। वैसे भी गांव में अब खेतीबाड़ी करना बहुत मुश्किल हो गया है। उपजाऊ जमीन विरान पड़ गई है। जहां खाली जगह है वहां जहरीला फुलणु घास व कंटीली झाडियों के जंगल खड़े हो गए हैं। घासनियों में भी जहरीली घास फैल गई है। कुल मिलाकर जमीन बंजर हो गई है। अब गांव में जो इक्का-दुक्का परिवार खेतीबाड़ी कर रहे हैं, उन्हें जितना खर्च करना पड़ता है, उस हिसाब से फसल नहीं हो रही है। जंगली जानवरों एवं लावारिस पशुओं से फसल का बचाव करना मुश्किल है। खेतों में सिंचाई की सुविधा न के बराबर होने के कारण किसानों को बारिश पर ही निर्भर रहना पड़ता है। मौसम की दगाबाजी ऐसी है कि, कभी सूखा पड़ता है तो कभी जरूरत से ज्यादा बारिश हो रही है। उससे फसल खराब हो रही है तथा सारे किए कराए पर पानी फिर जाता है। खेती करने में आ रही मुश्किलों से अधिकतर ग्रामीण अब खेतों के बजाय क्यारियों में ही साग-सब्जियां उगा रहे हैं। खेतीबाड़ी के न होने से पशुपालन का व्यवसाय भी नाममात्र का रह गया है। गांव में अब कोई विरला ही परिवार है, जिसने गाय या कोई भेड़-बकरी पाल रखी है। अन्य पशु अब लावारिस होकर सडक़ों पर भटक रहे हैं। पहले शहर में ही इक्का-दुक्का लावारिस पशु नजर आते थे, लेकिन अब गांव-गांव तक लावारिस पशुओं के झुंड घूमते देखे जा सकते हैं। ग्रामीणों को लग रहा है कि अब खेतीबाड़ी एवं पशुपालन बहुत ही घाटे का सौदा हो गया है। इन दोनों व्यवसायों में खर्च के मुताबिक आय नहीं हो रही है। सरकार भी इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। हलांकि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दिए जाने के बाद कृषि क्षेत्र में मामूली सुधार हुआ है। लेकिन इसके लिए और अधिक धनराशि की जरूरत है। यदि सरकार बैल पालने के लिए हर महीने प्रति जोड़ी 1500, गाय या भैंस पालने के लिए 750 रुपए मासिक तथा भेड़ व बकरी पालन के लिए 250 रुपए अनुदान दे, तभी कृषि के साथ ही पशुपालन व्यवसाय फिर से पनप पाएगा। इससे एक तो बेसहारा पशुओं की समस्या का हल होगा तथा दूसरे ग्रामीण क्षेत्रों में पहले की तरह कृषि उपज भी बढ़ेगी। ग्रामीणों को अपने गांवों में अच्छा अनाज, शुद्ध दूध-दही व घी के साथ ही फल व सब्जियां उपलब्ध होंगी। ग्रामीणों को अपने घरों में ही रोजगार उपलब्ध होगा। इससे हिमाचल सरकार को दूध व प्रस्तावित गोबर खरीदने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। पिछले करीब चार दशकों से ग्रामीण क्षेत्र में कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय में जबरदस्त गिरावट आई है। एक समय था जब ग्रामीणों में यह कहावत 'उत्तम खेती, मध्यम व्यापार, नखिद चाकरी करे गवार' प्रचलित थी। अर्थात पहले खेतीबाड़ी को सर्वश्रेष्ठ माना जाता था। व्यापार को दूसरे स्थान तथा नौकरी को सबसे घटिया गिना जाता था। लेकिन अब स्थितियां इसके विपरीत हैं। आज हर कोई सरकारी नौकरी पाना चाहता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह रहा कि सरकारी क्षेत्र में कर्मचारियों के वेतन में अत्यधिक बढ़ोतरी हुई है तथा सेवानिवृत्ति के बाद पैंशन की सुविधा होने से उनका भविष्य सुरक्षित हो जाता है। दूसरी ओर उच्च शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं की संख्या में एकाएक वृद्धि हो रही है। ऐसे युवा जो सरकारी सेवा में नहीं जा सकते हैं, वे मजबूरी में कम वेतन पर निजी क्षेत्र में काम करते हैं। सरकारी एवं निजी क्षेत्र में यह सुविधा है कि हर महीने वेतन मिलता है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र में फसल अच्छी होने के बाद यदि उसका दाम ठीक मिले तो समझा जाता है कि कम से कम फसल पर जितना खर्च हुआ था, उसकी भरपाई हो गई। किसानों को दुधारू पशु या भेड़-बकरियां आदि के बिकने पर ही नकद पैसा मिल पाता है। किसानों द्वारा उगाई जाने वाली फसल भी उन्हें काफी महंगी पडऩे लगी। खाद, बीज एवं कीटनाशक दवाइयों की कीमतें आसमान छू रही हैं। खेतों की साफ-सफाई तथा हल जोताई आदि पर भी काफी खर्च हो जाता है। जबकि उससे कम कीमत पर अनाज एवं दालें आदि बाजार में मिल जाती हैं। अर्थात किसानों की उपज का भी उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल पाता। कृषि के साथ बागवानी करने वालों के तो उनसे भी बुरे हाल हैं। सब्जियों की तरह फलों का समर्थन मूल्य न के बराबर मिलता है। इसलिए लोग अपने फलों को विक्रय केन्द्र तक भी नहीं पहुचा पाते। कई स्थानों तक तो सम्पर्क सडक़ों का अभाव है। पशुपालन व्यवसाय की हालत बहुत खराब है। पहले कृषि के लिए बैल बहुत उपयोगी माने जाते थे। किसान उन्नत नस्ल के बैल पालने के बहुत शौकीन थे। कई किसान तो हरियाणा एवं पंजाब से बैल पालने को लाते थे। अनेक स्थानों पर पशु मंडियां लगती थी। बैलों व अन्य पशुओं की बड़े पैमाने पर खरीद-फरोख्त होती थी। उन्नत नस्ल के पशुपालकों को आयोजन समिति की ओर से प्रोत्साहन स्वरूप ईनाम भी दिए जाते थे। इस तरह दुधारू पशुओं की भी गांव में खासी संख्या होती थी। ग्रामीण कड़ी मशक्कत करते थे तथा घी-दूध भी खूब खाते थे। हर परिवार के पास बैल की जोड़ी, दो-तीन भैंसें, गाय व भेड़-बकरियां आदि पशु होते थे, लेकिन अब स्थितियां बदल गई हैं।

आप का नजरीया

स्थानांतरण में आत्मबोध

प्रशासन में कर्म की परीक्षा कभी मुकम्मल नहीं होती, फिर भी व्यवस्था की आपूर्ति में अधिकारियों के जिम्मे किसी भी सरकार का पूरा कालखंड होता है। हर अधिकारी के फर्ज में सरकार का रुतबा गूंजता है और अगर यही नगीने खनक जाएं तो छवि की पताका पर संदेह होना लाजिमी है। सरकारों का अपना-अपना ट्रांसफर काल भी दिखाई देता है। हम इसे पटवारी से लेकर राज्य के मुख्य अधिकारी तक देख सकते हैं। लोग बेहतर समीक्षक होते हैं और कई बार सरकारों के ट्रांसफर आर्डरों का विरोध भी करते हैं, लेकिन जनापेक्षाएं भी सियासत की तरह अकसर मोम नहीं होतीं। नुकीले प्रश्नों की आबरू में सबसे ज्यादा पैमाइश और आजमाइश प्रशासनिक अधिकारियों की ही होती है, जहां हर पड़ाव एक ट्रांसफर है। जाहिर है धर्मशाला से भरमौर भेजे गए एसडीएम संजीव कुमार भोट के ट्रांसफर आर्डर भी पड़ाव रहे होंगे, लेकिन जिन संदेहों की बरसात हो रही है, उन्हें सिरे से नकारा भी नहीं जा सकता। भोट सिर्फ एक अधिकारी या सेवा काल का बिछौना नहीं कि चंद दिनों में किन्नौर, डोडरा-क्वार, धर्मशाला और अब भरमौर में प्रशासनिक अधिकारी बना कर बिछा दिया जाए। संजीव भोट से जुड़ी अपेक्षाएं एक आदमी से नहीं, उनकी क्षमता में अधिकार प्राप्त अधिकारी से हैं। जाहिर है सरकार को भरोसा है, इसलिए चौथी जगह एसडीएम बनाए गए, लेकिन बार-बार के स्थानांतरण उनके व्यक्तिगत व प्रशासनिक जीवन को कहीं न कहीं हास्यास्पद बनाते रहे हैं। यही वजह रही कि इस अधिकारी ने अपने क्षोभ की परिणति में पद से ही त्यागपत्र देकर अपनी प्रशासनिक कुंडली में विराम और सचिवालय की एक जुंडली में अविश्वास लिख दिया। यह कोई छोटी घटना नहीं, बल्कि इसने विमल नेगी से जुड़े संदेहास्पद घटनाक्रम में एक नया सवाल जोड़ दिया है। संजीव भोट के सजीव बोध को सौ फीसदी सत्य न मानें, लेकिन यह मंजर आत्म संतुष्टि का नहीं, आत्मचिंतन का जरूर है। अपने ट्रांसफर आर्डर को रेखांकित करते भोट ने जो सवाल उठाए हैं, उनके साथ प्रशासनिक अधिकारियों की एक रूठी हुई शाखा हो सकती है। कुछ तहें भले ही ढकी रहें, लेकिन सड़ांध को ढांपना मुश्किल है। क्यों एक अधिकारी के लिए नौकरी से इस्तीफा देना आसान हो गया और क्यों वह इस सुलूक को स्वर्गीय नेगी के मजमून तक ले गया। संजीव भोट को स्थानांतरित करना विशेषाधिकार रहा होगा या कुछ कारण भी गिने जा सकते हैं, लेकिन जनता की कचहरी में हर ट्रांसफर एक व्यक्ति नहीं नया विश्वास है। इसी परिप्रेक्ष्य में किसी स्कूल में ट्रांसफर आर्डर पर आनेवाला एक व्यक्ति नहीं, एक अध्यापक होता है। दुर्भाग्य से आजकल कर्मचारी-अधिकारी मोहरबंद होने लगे हैं। सरकारी नौकरी सियासी कैडर में विभक्त होने लगी है। अस्थायी सत्ता के करीब सरकारी कार्यसंस्कृति ने स्वयं को इतना कमजोर कर लिया है कि प्रशासनिक सेवाओं में लोग नेताओं के आगे पानी भरते दिखाई देते हैं।

राज्य सरकार वैभव सूर्यवंशी को देगी 10 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि : सम्राट चौधरी

पटना (हिंस)। आईपीएल के इतिहास में सबसे कम उम्र (14 साल) में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने बिहार के समस्तीपुर जिले के रहनेवाले वैभव सूर्यवंशी को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई दी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री के साथ वैभव सूयवंशी के साथ एक्स पर उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है- बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी जी का आईपीएल में असाधारण प्रदर्शन और प्रतिभा को सम्मान देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 10 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि घोषित की है। उन्होंने आगे लिखा है-सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले वैभव सूर्यवंशी को फिर एक बार बधाई एवं शुभकामनाएं। वैभव सूर्यवंशी पर हर बिहारी को गर्व है। एनडीए सरकार खिलाड़ियों के हर कदम पर साथ है।

पंजाब ने भाखड़ा से आने वाले हरियाणा के पानी की सप्लाई घटाई

भगवंत मान बोले, पाकिस्तान को पानी रोक पंजाब के डैम भरे केंद्र सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब ने भाखड़ा के माध्यम से हरियाणा को दी जा रही पानी की सप्लाई को आधा कर दिया है। पंजाब ने कुल नौ हजार क्यूसेक में से पांच हजार क्यूसेक की कटौती कर दी है, जिससे हरियाणा के छह जिलों में पानी का गंभीर संकट पैदा होना शुरू हो गया है। आने वाले दिनों में यह संकट और गहरा हो सकता है। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड की निगरानी में पंजाब सरकार द्वारा हरियाणा व राजस्थान को हर साल पेयजल व सिंचाई के लिए पानी की सप्लाई दी जाती है। वाटर अलॉटमेंट का यह सीजन हर साल 21 मई से 21 मई तक की अवधि के लिए मान्य होता है। इस नहरी पानी से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लाखों एकड़ भूमि की सिंचाई होती है। इस नहर का पानी शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है, खासकर जहां पानी की कमी होती है। पंजाब का दावा है कि हरियाणा को नौ हजार क्यूसेक पानी की सप्लाई की जाती है। हरियाणा का जल प्रबंधन सही नहीं था। हरियाणा सरकार अपने तय कोटे का इस्तेमाल मार्च में ही कर चुकी है, जिसके बाद पंजाब ने हरियाणा को दिए जाने वाले पानी में पांच हजार क्यूसिक की कटौती कर दी है। इसे लेकर हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक, महेन्द्रगढ़ समेत कई जिलों में पानी की किल्लत शुरू हो गई है। यह किल्लत अन्य जिलों को भी प्रभावित कर सकती है। आने वाले दिनों में पेयजल संकट गंभीर रूप धारण कर सकता है। इस विवाद के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंगलवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बातचीत की। पंजाब के मुख्यमंत्री ने एक वीडियो जारी करके इसका पलटवार किया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि हरियाणा का जल प्रबंधन सही नहीं है। हरियाणा ने पानी का इस्तेमाल किफायती तरीके से नहीं किया है। जिसके चलते हरियाणा अपना तय कोटा मार्च में ही खत्म कर चुका है। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब द्वारा मानवता के आधार पर पेयजल के लिए हरियाणा को अभी भी चार हजार क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। हालांकि तय नियम व शर्तों के अनुसार यह पानी भी नहीं दिया जा सकता है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हरियाणा में पानी की कमी को लेकर सुझाव दिया है कि केंद्र सरकार पाकिस्तान की तरफ जाने वाले पानी को रोकने की बात कर रही है। भगवंत मान ने कहा कि पाकिस्तान को जाने वाला पानी पंजाब के डैम में डायवर्ट कर दिया जाए। पंजाब के डैम में जब पानी आएगा तो वह हरियाणा को भेज दिया जाएगा। मान ने कहा कि भाजपा बीबीएमबी के माध्यम से दबाव बना रही है। पंजाब के पास हरियाणा को देने के लिए एक बूंद भी पानी नहीं है। वर्तमान में केवल मानवीय पहलू के आधार पर पानी सप्लाई किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल आज के दिन के मुकाबले पौंग डैम में 24 फुट तो रणजीत सागर डैम में 39 फुट पानी कम है। ऐसे में केंद्र सरकार पाकिस्तान को जाने वाले पानी को पंजाब के डैम में डायवर्ट करे तो पंजाब को आगे सप्लाई देने में कोई हर्ज नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जिला के सभी दस सीटों पर एनडीए की जीत तय : डॉ. संजीव

मधुबनी (हिंस)। जिला मुख्यालय स्थित अतिथि गृह के सभागार में मंगलवार को जदयू कार्यकर्ताओं का विमर्श मंथन हुआ। अवसर पर जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार झा ने कहा आगामी सन्निकट चुनाव में जिला के सभी दस विधान सभा सीट पर एनडीए उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित है। पंचायती राज दिवस के उपलक्ष पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व बिहार के विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मधुबनी आगमन पर विशाल जन समर्थन इसका साक्ष्य है। जिला के झंझारपुर में विदेश्वर स्थान के *लोहना दक्षिण* पंचायत में ऐतिहासिक सभा का आयोजन होने पर जिला के एनडीए के सभी कार्यकर्ता एवं जदयू के बूथ स्तर से लेकर पंचायत, प्रखंड, जिला स्तर तथा सभी प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं को इसके लिए लाख-लाख बधाई दी गई। कहा कि तपती धूप एवं उमस में उनके कठिन परिश्रम से यह ऐतिहासिक सभा सफल हुआ। मधुबनी जिला में इस कार्यक्रम को आयोजित करवाने के लिए राज्यसभा सांसद सह जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री संजय कुमार झा एवं झंझारपुर के लोकप्रिय सांसद दलित एवं अति पिछड़ों के मुखर आवाज, कार्यकर्ताओं के हर सुख दुख में समर्पित रहने वाले सांसद रामप्रीत मंडल को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी गई। आभार साथ ही केंद्रीय मंत्री श्री ललन कुमार सिंह एनडीए घटक दल के शीर्ष नेता जीतन राम मांझी, चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा, चंदन कुमार सिंह मुख्यालय प्रभारी (स्थापना) जदयू सहित प्रदेश स्तर से आए हुए तमाम शीर्ष नेताओं को धन्यवाद एवं आभार तथा एनडीए के जिला के सभी सांसद, विधायक, मंत्री गण, विधान पार्षद पंचायती राज के सभी प्रतिनिधि गण, नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत के सभी प्रतिनिधियों को सहृदय आभार एवं धन्यवाद दिया। कहा कि उम्मीद है कि आगामी आने वाले विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथ को मजबूत करने के लिए मधुबनी जिला के सभी दस सीट पर एनडीए उम्मीदवार को जीता कर विकास पुरुष के हाथों को मजबूत करेंगे।

जेएनयू के कोऑर्डिनेटर की 84.82 लाख की संपत्ति अटैच

जयपुर (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जोधपुर नेशनल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के नाम पर प्राइवेट स्टूडेंट को फर्जी डिग्री बांटने के मामले में यूनिवर्सिटी के कोऑर्डिनेटर पुनीत गोदावत की 84.82 लाख रुपए की संपत्ति को अटैच कर लिया है। इस केस में अब तक ईडी की टीम विभिन्न आरोपियों से कुल 21.51 करोड़ रुपए की संपत्ति को अटैच कर चुकी है। इसमें जेएनयू के चेयरमैन कमल मेहता भी शामिल हैं। दरअसल, कमल मेहता के खिलाफ 2014 में एसओजी ने केस दर्ज कर 25 हजार फर्जी डिग्रियां बांटने का भंडाफोड़ किया था। ईडी ने 2015 में केस दर्ज किया। ईडी की जांच में पता चला कि जेएनयू के चेयरमैन कमल मेहता जोधपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के नाम पर निजी छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए फर्जी डिग्री, मार्कशीट और डिप्लोमा सर्टिफिकेट बेचने का गिरोह चलाते थे।

राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है शिक्षा : दिया कुमारी

झुंझुनू (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को सैनिक स्कूल झुंझुनू में कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मात्र एक व्यवस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने सैनिक स्कूल झुंझुनू के शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह विद्यालय विद्यार्थियों को एक समावेशी एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करता है। उन्होंने कहा यह देखकर अत्यंत गर्व होता है कि हमारे युवा कैडेट्स अभी से सेवा भावना, नैतिकता और देशभक्ति जैसे मूल्यों को आत्मसात कर रहे हैं। यह आने वाले समय में एक सशक्त भारत का आधार बनेगा। विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य कर्नल अनुराग महाजन, स्टाफ और कैडेट्स ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने नव निर्मित बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया। 80-बेड वाले इस छात्रावास को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है जो बालिकाओं की शिक्षा एवं विकास को सशक्त आधार प्रदान करेगा। उद्घाटन के पश्चात उपमुख्यमंत्री ने मां सरस्वती के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की और छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने इसे केवल एक भवन न मानते हुए बेटियों के समान अवसरों की दिशा में राज्य सरकार की गंभीर प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा यह छात्रावास महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बेटियों को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाएगा। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित गर्ल्स हॉस्टल में वृक्षारोपण भी किया। सैनिक स्कूल झुंझुनू की हालिया उपलब्धि-अखिल भारतीय सैनिक स्कूल राष्ट्रीय खेल फुटबॉल प्रतियोगिता-2025 में अंडर-17 बालिका वर्ग में विजेता बनने पर उपमुख्यमंत्री ने कैडेट्स से संवाद कर उन्हें बधाई दी। उन्होंने शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में विद्यालय की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की और प्राचार्य सहित पूरे प्रशासनिक तंत्र को बधाई दी। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर का भ्रमण किया और नव निर्माणाधीन गतिविधि स्थलों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम में 61 सब एरिया के डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर संदीप कुमार, सैनिक स्कूल झुंझुनू के प्राचार्य कर्नल अनुराग महाजन, झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू, पूर्व सांसद नरेंद्र खीचड़ सहित स्कूल स्टाफ व कैडेट्स मौजूद रहे।

बाल विवाह के खिलाफ आगे आएंगे धर्मगुरु, बनाएंगे बाल विवाह मुक्त शहर

बीकानेर (हिंस)। अक्षय तृतीया भारत में विवाह कराने का शुभ दिन माना जाता है और कई जगहों पर इस दिन बाल विवाह भी कराए जाते हैं। इसलिए यह दिन बाल विवाह को रोकने और लोगों की सोच बदलने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। देश के 416 जिलों के धर्मगुरु बुधवार को एकजुट होकर सार्वजनिक रूप से यह संदेश देंगे कि अब किसी बच्चे की शादी हमारे सामने नहीं होगी। उनका सामूहिक संकल्प समाज की सोच को चुनौती देगा और यह बताएगा कि बाल विवाह का कानून तोड़ना गंभीर अपराध है। मंगलवार को होटल मंगलम में प्रेस कांफ्रेंस में राजस्थान महिला कल्याण मंडल के जिला समन्वयक अमित कुमार, मौलवी जावेद आलम, पंडित भवानी शंकर, सिराजूदीन कोहरी ने पत्रकारों को बताया कि मंडल पिछले दो साल से देशव्यापी संगठन जस्ट राइट्स फोर चिल्ड्रन एलायंस परियोजना *एक्सेस टू जस्टिस फेज 3* के माध्यम से बालश्रम, बाल-दुर्व्यापार, बाल यौन शौषण (पोक्सो से संबंधित मामले) एवं बाल विवाह की रोकथाम के लिए नियमित रूप से प्रयास कर रहा है। संस्था द्वारा वर्तमान में आमजन को जागरुक करने के लिए सांझा प्रयास किए जा रहे हैं।

बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर हेरोइन और ड्रोन जब्त किया

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर एक अभियान चलाकर हेरोइन की खेप और एक ड्रोन जब्त किया है। बीएसएफ के अनुसार सोमवार रात गुरदासपुर के रत्तर चत्तर गांव के पास एक फसल कटे हुए खेत से रोशनी वाली छोड़ियों के साथ पीले चिपकने वाले टेप में लिपटे एक बड़े पैकेट को बरामद किया गया। जांच करने पर 8.6 किलोग्राम वजन के संदिग्ध हेरोइन के आठ पैकेट मिले। इससे पहले सोमवार को दिन के समय बीएसएफ जवानों ने एक ड्रोन की हरकत को रोका और तुरंत तकनीकी जवाबी कार्रवाई शुरू की। इसके बाद की तलाशी में अमृतसर के रोरनवाला खुर्द गांव के पास एक डीजेआई माविक 3 क्लासिक ड्रोन बरामद हुआ। दोनों स्थानों से बरामदगी के बाद बीएसएफ ने अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव : भव्य रूप से निकाली शोभायात्रा, समरसता का दिया संदेश

जोधपुर (हिंस)। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रमों के तहत मंगलवार को शहर में शोभायात्रा निकाली गई। इसमें भगवान परशुराम का जीवन परिचय, नशा मुक्ति एवं सामाजिक जागरूकता, स्वच्छता का संदेश देती झांकियां भी नजर आई। शोभायात्रा का अनेक स्थानों पर स्वागत किया गया। राजस्थान ब्राह्मण महासभा जोधपुर के अध्यक्ष जगदीश गौड़ ने बताया कि परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में तीस अप्रैल तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पहले दिन महर्षि गौतम भवन में गौ रक्षा संकल्प एवं पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रमों की कड़ी में आज घंटाघर से भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें धर्म और सनातन संस्कृति से संबंधित विभिन्न झांकियां प्रदर्शित की गई। शोभायात्रा घंटाघर से रवाना होकर सिरे बाजार, सिटी पुलिस, खांडाफलसा होते हुए जालोरी गेट पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में भगवान परशुराम व अन्य देवी-देवताओं सहित सनातन धर्म से ओतप्रोत झांकियां शामिल रही। शोभायात्रा में विभिन्न देवी-देवताओं और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। महासभा के उपाध्यक्ष कमल जोशी ने बताया कि परशुराम जन्मोत्सव का समापन समारोह तीस अप्रैल को सेंट्रल एकेडमी स्कूल के पास स्थित परशुराम सर्किल पर महाआरती के साथ संपन्न होगा। सर्व ब्राह्मण महासभा एवं श्री परशुराम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में तीन दिवसीय परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सिवांची गेट शमशान के पास स्थित परशुराम मंदिर में भगवान परशुराम की प्रतिमा पर दुग्धाभिषेक किया गया। महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश बोहरा ने बताया कि मंदिर में भगवान परशुराम की मूर्ति पर पं. ओम श्री राम व पं. अभिषेक के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ दुग्धाभिषेक किया गया। इस अवसर पर डॉ. आनंद पुरोहित, सुरेंद्र जोशी, परशुराम महादेव ट्रस्ट के अध्यक्ष रामकिशन पुरोहित, चांद बावड़ी विकास समिति के अध्यक्ष राजेश्वर व्यास दरबार, प्रमोद जोशी, ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष सत्य प्रकाश बोहरा रमेश कल्ला, नरेश बोहरा, ललित व्यास, अरुण जोशी, जयप्रकाश दवे, प्रफुल्ल पुरोहित, कमलेश व्यास, कुलदीप सारस्वत, गिरीश जोशी ने विशेष पूजा-अर्चना की। बोहरा ने बताया कि तीस अप्रेल को भगवान परशुराम की विशेष पूजा अर्चना एवं सायं पांच बजे सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी, शहर विधायक अतुल भंसाली, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार पालीवाल, लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद पुरोहित, शिक्षाविद कपिल व्यास, वरिष्ठ चिकित्सक व समाजसेवी नगेन्द्र शर्मा अतिथि होंगे। बोहरा ने बताया कि पुरस्कार समारोह में लाइफ टाइम अचिवमेंट पुरस्कार जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियन्ता ओपी व्यास को दिया जाएगा। इसके अलावा फोटोग्राफी में ज्ञानेन्द्र व्यास, पत्रकारिता के लिए सुरेश व्यास व हरिगोपाल व्यास, प्रो. अनिल व्यास शिक्षा, नीलम व्यास साहित्य, प्रकाश पुरोहित पर्यावरण, शिवकुमार कल्ला विधि, अखिलेश गज्जा खेलकूद, नरेंद्र शर्मा सहकारिता, डा. राजू व्यास चिकित्सा, भंवरलाल पालीवाल व संदीप शर्मा समाजसेवा, अजय पुरोहित संगीत, रोहित जोशी व मनीष थानवी व्यापार/उद्योग, मोतीलाल रंगा को आर्थिक क्षेत्र के लिए मरणोपरांत, सूर्यनगरी तराना संस्थान को विभिन्न क्षेत्रो में उल्लेखनीय कार्यो के लिए 15वें परशुराम पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

योगी सरकार में छह गुना घटी बेरोजगारी दर

विभिन्न आयोगों एवं भर्ती बोर्ड से 8.5 लाख से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के नेतृत्व में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास अब रंग ला रहे हैं। प्रदेश में बेरोजगारी दर में ऐतिहासिक कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2016 में जहां प्रदेश में बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत थी, वहीं वर्तमान में यह घटकर महज तीन प्रतिशत रह गई है। सरकार की योजनाओं, पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाओं और रोजगारोन्मुखी नीतियों का लाभ अब जमीन पर साफ दिखने लगा है। योगी सरकार के सतत प्रयासों का परिणाम है कि बेरोजगारी दर में छह गुना कमी आई है। प्रदेश सरकार ने युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों के दरवाजे खोले हैं, तो निजी क्षेत्र में भी व्यापक रोजगार सृजित किया गया है। इससे प्रदेश के युवाओं में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ी है। 8.5 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदेश सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि योगी सरकार की निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती नीति के तहत विभिन्न आयोगों और भर्ती बोर्डों के माध्यम से अब तक 8.5 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। इसमें पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व जैसे तमाम विभागों की भर्तियां शामिल हैं। सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, जिससे युवाओं का भरोसा सरकारी प्रणाली पर और अधिक मजबूत हुआ है। सरकार ने नवीन आउट सोर्सिंग नीति लागू कर इस क्षेत्र में कार्यरत कार्मिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। इसके माध्यम से कार्य व्यवस्था में पारदर्शिता लाई गई है। वहीं, नवीन पालिसी के तहत अब आउट सोर्सिंग सेवा निगम के गठन की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। यह निगम राज्य भर में आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्त होने वाले कर्मचारियों के हितों की रक्षा करेगा और एक केंद्रीकृत व्यवस्था के तहत नियोजन को पारदर्शी बनाएगा। युवाओं में बढ़ा आत्मविश्वास, प्रदेश बना रोजगार हब। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की योजनाओं और पारदर्शी व्यवस्था ने उत्तर प्रदेश को देश के एक बड़े रोजगार केंद्र के रूप में स्थापित किया है। अब प्रदेश के युवा दूसरे राज्यों में नौकरी तलाशने के बजाय अपने ही राज्य में बेहतर भविष्य देख रहे हैं। स्टार्टअप, स्वरोजगार योजनाओं और मिशन रोजगार जैसी योजनाओं ने भी युवाओं को नए अवसर दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार की दिशा में ठोस और दूरगामी कार्य किए जा रहे हैं।

पीएम मोदी के बयान पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला युवक गया जेल

मुरादाबाद (हिंस)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बिहार में आयोजित जनसभा में आतंकवाद को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर मुरादाबाद के थाना डिलारी के गांव मासूमपुर क्षेत्र निवासी युवक ने व्हाट्सएप ग्रुप पर अभद्र टिप्पणी कर दी। इसका विरोध करने पर आरोपी युवक दूसरे समुदाय के लोगों से भिड़ गया। इससे गांव में तनाव की स्थिति हो गई। मंगलवार को अभद्र टिप्पणी की शिकायत पर जांच के लिए पहुंची पुलिस से भी युवक ने झगड़ा करने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे आज जेल भेज दिया गया। डिलारी के गांव मासूमपुर निवासी युवक आदिल पर प्रधानमंत्री के बयान पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। दूसरे समुदाय के लोगों का कहना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री ने बिहार में आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का बयान दिया था। आरोप है कि दो दिन पहले आदिल ने इस बयान पर लोकल व्हाट्सएप ग्रुप पर गलत टिप्पणी की। इससे दूसरे समुदाय की भावनाएं आहत हुई। यही नहीं युवक दूसरे समुदाय के लोगों से भी भिड़ गया, जिससे गांव में तनाव की स्थिति हो गई। मामले की शिकायत पर सोमवार को पुलिस जांच करने पहुंची। आरोपी युवक ने पुलिस से भी झगड़ा करने की कोशिश की। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर थाने ले आई। शांतिभंग करने के आरोप में चालान करते हुए एसडीएम कोर्ट में पेश किया। थाना डिलारी प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र सिंह ने बताया कि एसडीएम ने आरोपी को जेल भेज दिया है। गांव मासूमपुर में तनाव की स्थिति हो गई थी लेकिन अब हालात सामान्य हैं।

पाकिस्तान के प्रवक्ता की तरह बयान दे रहे हैं सपा के नेता : योगी

देवरिया (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां 676 करोड़ की 501 परियोजनाओं में से 341 परियोजनाओं का लोकार्पण और 160 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत ऋण की चेक, स्वयं सहायता समूह की दीदियों को 7 करोड़ 87 लाख 50 हजार धनराशि का चेक, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना की चाबी, ट्रैक्टर की चाबी, पट्टा योजना के तहत 37 लाभार्थियों को पट्टा, दिव्यांग पेंशन, निराश्रित पेंशन की चेक सौंपी। वहीं हाईस्कूल में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रीति कुशवाहा और इंटरमीडिएट की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली श्वेता प्रसाद को प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही डबल इंजन की सरकारइस मौके पर एक जनसभा में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले पर समाजवादी पार्टी के नेताओं के काफी शर्मनाक बयान सामने आए हैं। उनके बयान से यह पता लगाने में काफी मुश्किल हो रही है कि वह सपा के नेता का बयान है या फिर पाकिस्तान का

प्रवक्ता बयान दे रहा है। योगी ने कहा कि सोमवार को मुंबई में सपा के एक पदाधिकारी ने शर्मनाक बयान दिया। आतंकवादियों ने कानपुर के शुभम द्विवेदी की निर्मम हत्या कर दी। इस पर जब पत्रकारों ने सपा अध्यक्ष से उनके घर पर न जाने की वजह पूछी तो उन्होंने जवाब दिया कि वह हमारी पार्टी का नहीं था। यह बयान काफी दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पूरा देश पार्टी लाइन से ऊपर उठकर घटना की निंदा कर रहा है। सपा के नेता दुर्भाग्यपूर्ण बयान दे रहे हैं। सपा का एक राष्ट्रीय महासचिव बयान देता है कि हिंदू ने ही हिंदू को मारा है। यानी पाकिस्तान को क्लीन चिट देने की कुत्सित चेष्टा की जा रही है। सपा और कांग्रेस के नेता जातिवाद, विभाजनकारी और तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। यह लोग ही आप सबकी सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का कुत्सित प्रयास करते हैं। आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। वहीं पूरा देश एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है। पहली बार देवरिया को मिला चार मंजिला सरकारी डिग्री कॉलेज। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देवरिया में वर्ष 2017 से पहले इंसेफलाइटिस से हजारों बच्चों की मौत होती थी। अब हालात बदल चुके हैं। आज देवरिया के साथ पूरे उत्तर प्रदेश में विकास की गति तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश ने माफिया मुक्त, दंगा मुक्त और विकास की दिशा में तेज़ी से बढ़ने वाले राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि देवरिया में चार मंजिला सरकारी डिग्री कॉलेज का उद्घाटन किया गया है, जो कि इस क्षेत्र में पहली बार है। इसमें कला, विज्ञान और वाणिज्य की कक्षाएं एक साथ शुरू की जाएंगी। इसके साथ ही पथरदेवा में एक नया डिग्री कॉलेज शुरू किया जा रहा है। उसमें वाणिज्य की कक्षाएं शुरू की जाएंगी। गौरी बाजार में एक कॉलेज में ऑडिटोरियम का निर्माण भी किया जाएगा, ताकि वहां की सभी गतिविधियों को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पहले किसी ने कल्पना नहीं की थी कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह की संस्थाएं बन पाएंगी। अब यह सच हो चुका है। पहले देवरिया में दंगे होते थे, बीमारियां फैलती थीं, लेकिन अब नया देवरिया और उत्तर प्रदेश अपनी पहचान विकास के माध्यम से बना रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवरिया से गोरखपुर तक फोरलेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है, जिससे दिल्ली और अन्य बड़े शहरों से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। इसके अलावा गोरखपुर से बलिया तक के मार्ग को फोरलेन में बदला जा रहा है। देवरिया से कासिया और पडरौना के मार्ग का चौड़ीकरण भी किया जा रहा है। अब देवरिया से सीधे दिल्ली या शामली पहुंचने के लिए अधिक समय नहीं लगेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गरीबों, किसानों और युवाओं के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। इसी के तहत 15 लाख निर्धन परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मंत्री सूर्य प्रताप शाही, योगेंद्र उपाध्याय, दया शंकर सिंह, राज्य मंत्री रजनी तिवारी, विजय लक्ष्मी गौतम, सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, विधायक जय प्रकाश निषाद, शलभ मणि त्रिपाठी, दीपक मिश्रा, सुरेंद्र चौरसिया, पूर्व सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमा पति राम त्रिपाठी उपस्थित रहे।

सीसीपीए ने सेवा शुल्क वापस न करने पर दिल्ली के पांच रेस्तरां पर की कार्रवाई

नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने दिल्ली के पांच रेस्तरां मखना डेली, जेरो कोर्टयार्ड, कैसल बारबेक्यू, चायोस और फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन के खिलाफ कार्रवाई की है। इन रेस्तरां ने दिल्ली होई कोर्ट के आदेश के बावजूद अनिवार्य सेवा शुल्क की वापस नहीं किया।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत इन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। इनको सेवा शुल्क की राशि वापस करने का निर्देश दिया गया है।

सीसीपीए ने 04 जुलाई 2022 को होटल और रेस्तरां में सेवा शुल्क के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए थे। ये दिशा-निर्देश उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए बनाए गए हैं। इनमें कहा गया है कि कोई भी होटल या रेस्तरां सेवा शुल्क को स्वत: या डिफ़ॉल्ट रूप से बिल में नहीं जोड़ेगा। साथ ही, सेवा शुल्क का संग्रह किसी अन्य नाम से नहीं किया जाएगा।

उपभोक्ताओं को स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि सेवा शुल्क वैकल्पिक है और यह उनकी इच्छा पर निर्भर करता है। इसके अलावा, उपभोक्ताओं के प्रवेश या सेवाओं के प्रावधान पर सेवा शुल्क के संग्रह के आधार पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 28 मार्च 2025 को दिल्ली हाई कोर्ट ने सीसीपीए के सेवा शुल्क संबंधी दिशा-निर्देशों को बरकरार रखा। इसके बाद, सीसीपीए को राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (1915) के माध्यम से कई शिकायतें प्राप्त हुईं। इन शिकायतों में कहा गया कि कुछ रेस्तरां बिना पूर्व सहमति के अनिवार्य सेवा शुल्क लगा रहे हैं। सीसीपीए का गठन उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, अनुचित व्यापार प्रथाओं और गलत विज्ञापनों के मामलों को विनियमित करने के लिए किया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

डायमंड पावर इंफ्रा को 230 करोड़ के दो ठेके मिले

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एकल-स्थान विद्युत केबल और कंडक्टर विनिर्माता कंपनी डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (डीपीआईएल) को बिजली केबल की आपूर्ति के लिए 230 करोड़ रुपये से अधिक के दो ठेके मिले हैं। डीपीआईएल की ओर से जारी बयान के अनुसार कंपनी को दक्षिण गुजरात विज कंपनी के तहत परियोजना के लिए राजेश पावर सर्विसेज लिमिटेड से 1,50,98,65,000 रुपये और बिजली केबल की आपूर्ति के लिए अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड से 79,27,80,051 रुपये का ठेका मिला है।

आरबीआई मई में 1.25 लाख करोड़ के सरकारी बॉन्ड खरीदेगा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मई में 1.25 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड खरीदने की योजना बनाई है। इस पहल में, 50,000 करोड़ रुपये की किस्त 6 मई को जारी की जाएगी और आगे की तीन किस्तें 9, 15 और 19 मई को जारी की जाएंगी। इससे बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने में मदद मिलेगी। बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने में मदद मिलेगी इसके साथ ही, एक अन्य विकल्प चरखी दाधी जेनसोल इंजीनियरिंग क्षेत्र में संकट का सामना कर रही है। ईडी ने जेनसोल के परिसरों में छापा मारा और कई दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्डों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त किया। विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों में उत्पादन की वृद्धि दर मार्च, 2025 में गिरकर तीन फीसदी रही। इससे इंडस्ट्रियल उत्पादन की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। सरकार ने आंकड़े संशोधित करके इसे सुधारने का प्रयास किया है। आंकड़ों के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि दर मार्च में तीन फीसदी रह गई है, जबकि खनन की वृद्धि दर 0.4 फीसदी और बिजली की 6.3 फीसदी रही। इससे इंडस्ट्रीज की स्थिरता में सुधार के लिए चुनौती है।

पेट्रोल-डीजल 1 मई से हो सकता है 1.30 रुपए महंगा केरोसिन की कीमत भी बढ़ सकती है 1.35 रुपए

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिससे घरेलू बाजार भी प्रभावित हो रहा है। इसी की वजह से पेट्रोल-डीजल के दाम में बदलाव देखने को मिल रहा है। हालांकि बीते दिनों कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद ये माना जा रहा है कि 1 मई से पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ सकते हैं। इस संबंध में अधिकारिक तौर पर बुधवार को अधिसूचना जारी की जा सकती है। जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अप्रैल रात 12 बजे के बाद से 1.30 रुपए बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं केरोसिन की कीमत भी 1.35 रुपए बढ़ सकते हैं। बता दें कि हाल ही में यहां की सरकार ने पेट्रोल पर लेवी 8.02 रुपये बढ़ाकर 78.02 रुपए प्रति लीटर और हाई स्पीड डीजल पर लेवी 7.01 रुपए बढ़ा दी थी। हालांकि इसका असर आम जनता पर नहीं पड़ा। फिलहाल ब्रेंट क्रूड की कीमत 65.52 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 61.87 डॉलर प्रति बैरल पर बनी हुई है।

एडब्ल्यूएल एग्री कारोबार का मुनाफा बढ़कर 191 करोड़

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस का मुनाफा 22 प्रतिशत बढ़कर 190.66 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में मुनाफा 156.75 करोड़ रुपये रहा था। एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च 2025 में कुल आय बढ़कर 18,291.63 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 13,327.05 करोड़ रुपये थी। समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में मुनाफा बढ़कर 1,225.81 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 147.99 करोड़ रुपये था। कुल आय 2024-25 में बढ़कर 63,910.28 करोड़ रुपये हो गई, जो 2023-24 51,518.71 करोड़ रुपये थी। एडब्लूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल तथा अन्य खाद्य उत्पाद बेचती है।

आईफोन 17 की लांचिंग पर मंडरा रहे संकट के बादल, चीन से आयात में देरी बनी बड़ी चुनौती

नई दिल्ली

चीन से आईफोन बनाने के लिए आवश्यक मशीनरी के आयात की अनुमति में लगातार हो रही देरी ने चिंता बढ़ा दी है। अगर यह देरी जारी रहती है, तो न केवल अपकमिंग आईफोन 17 के लॉन्च पर असर पड़ सकता है, बल्कि भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग को दोगुना करने की एप्पल की संभावित योजना भी प्रभावित हो सकती है। कंपनी का लक्ष्य था कि भारत से उत्पादन बढ़ाकर अमेरिका में आईफोन की मांग को पूरा किया जाए, ताकि चीन पर लगाए गए भारी आयात शुल्क से बचा जा सके। चीन से आयात को लेकर मंजूरी में देरी केवल इलेक्ट्रॉनिक्स तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सुरंग निर्माण में इस्तेमाल होने वाली ड्रिलिंग मशीनों और सोलर एनर्जी से जुड़ी मशीनों सहित अन्य क्षेत्रों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है।

यह ऐसे समय में हो रहा है जब सरकार देशभर में सुरंगों के निर्माण पर आक्रामक रूप से काम कर रही है। एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के टॉप सूत्र ने बताया कि आम तौर पर एप्पल इंक हर साल एक नया मोबाइल फोन लॉन्च करता है, जबकि बाकी कंपनियां कम से कम दो मॉडल लॉन्च करती हैं। भारत में नए मॉडल असेंबल करने के लिए बड़ी मात्रा में नई आयातित मशीनों को रेट्रोफिट करना पड़ता है। लेकिन इस प्रक्रिया में अब लगातार देरी हो रही है, जो नए मॉडल के लॉन्च को प्रभावित कर सकती है। यह भी आशंका है कि मोबाइल असेंबली के लिए चीन से सेकंडहैंड मशीनरी के आयात जो कि वहां से भारत में उत्पादन क्षमता शिफ्ट करने का हिस्सा है, पर भी सख्ती बढ़ सकती है।

एथर एनर्जी को पहले दिन सिर्फ 16 फीसदी मिला सब्सक्रिप्शन

नई दिल्ली (ईएमएस)। इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली कंपनी एथर एनर्जी के आईपीओ को सब्सक्रिप्शन के पहले दिन निवेशकों से सुस्त रिस्पांस मिला। बाजार में तेजी के बावजूद पब्लिक इश्यू को पहले दिन केवल 16 फीसदी सब्सक्राइब किया गया। आईपीओ सब्सक्राइब करने के लिए 28 अप्रैल को खुला और 30 अप्रैल तक खुला रहेगा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2,981.06 करोड़ के आईपीओ को पहले दिन कुल 86,09,406 इक्विटी शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। जबकि बिक्री के लिए 5,33,63,160 शेयर रखे गए हैं। आईपीओ सब्सक्राइब के लिए 30 अप्रैल तक खुला रहेगा इस आधार पर पहले दिन की कुल सब्सक्रिप्शन दर 16 प्रतिशत रही। कर्मचारियों के लिए रिजर्व कोटा में सबसे अधिक भागीदारी देखी गई। इसमें 1.78 गुना बुकिंग हुई। रिटेल निवेशकों ने अपने लिए आरक्षित श्रेणी में 63 प्रतिशत, नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों ने 16 प्रतिशत और क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने अपने लिए रिजर्व 2,89,27,363 के मुकाबले केवल 5,060 बोलियां लगाईं। एथर एनर्जी आईपीओ ग्रे मार्केट में सपाट रिस्पांस दे रहा है। अनौपचारिक बाजार गतिविधियों पर नजर रखने वाले सूत्रों के अनुसार, कंपनी के नॉन लिस्टेड शेयर मंगलवार को ग्रे मार्केट में 322 रुपये पर कारोबार कर रहे है। यह प्राइस बैंड के अपर एंड 321 रुपये 1 रुपये के प्रीमियम को दर्शाते है।

इंफोसिस में 195 और प्रशिक्षुओं को निकाल बाहर किया

नई दिल्ली

भारत की दूसरे नंबर की आईटी सर्विस प्रोवाइडर फर्म इन्फोसिस ने आंतरिक मूल्यांकन (इंटरनल असेसमेंट) में खराब प्रदर्शन वाले 195 और प्रशिक्षुओं को कंपनी से बाहर कर दिया। कंपनी की ओर से भेजे गए ईमेल में यह जानकारी सामने आई है। प्रशिक्षुओं को निकालने का यह तीसरा दौर है। पहला दौर फरवरी में हुआ था जब 320 प्रशिक्षुओं को निकाल दिया था। दूसरा दौर इस महीने की शुरुआत में हुआ था, जिसमें 240 प्रशिक्षुओं को निकाला गया था। इन्फोसिस ने 2025 में कुल 15,000 प्रशिक्षुओं को काम पर रखा। प्रभावित प्रशिक्षुओं को 2022 में काम पर रखा गया था, और अक्टूबर 2024 में उन्हें शामिल किया गया था। इन्फोसिस की छंटनी ऐसे समय में हुई है जब कंपनी और उद्योग एक अनिश्चित मैक्रो माहौल से गुजर रहे हैं। कंपनी ने साल 26 के लिए 0-3 फीसदी के दायरे में रेवेन्यू ग्रोथ का अनुमान लगाया है। कंपनी ने यह भी कहा कि वह वित्त वर्ष 26 के लिए लगभग 20,000 फ्रेशर्स को काम पर रखेगी।

ग्रीनप्लाई का चौथी तिमाही में मुनाफा घटकर हुआ 16.6 करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्लाईवुड उद्योग की अग्रणी कंपनियों में से एक ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही का मुनाफा 41.45 प्रतिशत घटकर 16.60 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 28.36 करोड़ रुपये रहा था। ग्रीनप्लाई ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च 2025 में कंपनी की परिचालन आय 8.16 प्रतिशत बढ़कर 648.77 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले यह 599.78 करोड़ रुपये रही थी। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में मुनाफा 28.36 करोड़ रुपये रहा था कंपनी ने कहा कि चुनौतीपूर्ण बाजार परिदृश्य में चौथी तिमाही के लिए प्लाईवुड व्यवसाय में वृद्धि संतोषजनक रही। उच्च ब्रांड प्रचार व्यय के बावजूद वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में मार्जिन सुधार के साथ 9.2 प्रतिशत हो गया। समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में मुनाफा 31.12 प्रतिशत बढ़कर 91.72 करोड़ रुपये हो गया। एकीकृत राजस्व 14.11 प्रतिशत बढ़कर 2,487.58 करोड़ रुपये रहा।

मारुति सुज़ुकी के चौथी तिमाही के नतीजे मिले-जुले रहे

देश की प्रमुख कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी के चौथी तिमाही के परिणाम मिले-जुले रहे। कंपनी का राजस्व में तो इजाफा हुआ, लेकिन एबिड्टा मार्जिन अनुमान से कम रहा है। चौथी तिमाही में कंपनी का वॉल्यूम 3.5 फीसदी और रियलाइजेशन 2.7 फीसदी बढ़ा। कंपनी की नेट सेल्स सालाना आधार पर 6.4 फीसदी बढ़ी। कंपनी का निर्यात सालाना आधार पर 8.1 फीसदी अधिक रहा कंपनी का निर्यात सालाना आधार पर 8.1 फीसदी अधिक रहा। एबिडिटा मार्जिन में साल दर साल आधार पर 173 आधार अंकों की गिरावट आई। लगातार चौथे साल मारुति सुजुकी अच्छी निर्यातकबनी रही है। भारत के कुल पैसेंजर व्हीकल्स एक्सपोर्ट में मारुति की हिस्सेदारी करीब 43 फीसदी पहुंच गई है।

डीबीआई बैंक का चौथी तिमाही में मुनाफा बढ़कर हुआ 2,051 करोड़

बैंक का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में मुनाफा 1,628 करोड़ रहा था

नई दिल्ली

आईडीबीआई बैंक का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 2,051 करोड़ रुपए रहा। बैंक का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 1,628 करोड़ रुपए रहा था। एलआ कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 9,035 करोड़ रुपए हो गई, जो जनवरी-मार्च 2024 में 7,887 करोड़ रुपए थी।

इस दौरान ब्याज आय मामूली रूप से घटकर 6,979 करोड़ रुपए रह गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 6,990 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में मुनाफा सालाना आधार पर 33 प्रतिशत बढ़कर 7,515 करोड़ रुपए हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 5,634 करोड़ रुपए रहा था। कुल आय बढ़कर पिछले वित्त वर्ष में 33,826 करोड़ रुपए हो गई, जो 2023-24 में 30,037 करोड़ रुपए थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मामले में, बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 31 मार्च 2025 तक सकल अग्रिमों के 2.98 प्रतिशत तक कम हो गईं, जबकि 31 मार्च 2024 के अंत तक यह 4.53 प्रतिशत थी। शुद्ध एनपीए भी सालाना आधार पर 0.34 प्रतिशत से घटकर 0.15 प्रतिशत रह गया। आईडीबीआई बैंक के निदेशक मंडल ने 2.10 रुपए प्रति शेयर लाभांश का प्रस्ताव किया है। यह शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है।

केनरा एचएसबीसी लाइफ ने आईपीओ लाने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

बिक्री पेशकश के तहत केनरा बैंक 13.77 करोड़ शेयर बेचेगा

नई दिल्ली

रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) द्वारा सेबी के समक्ष आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल करने के कुछ दिन बाद केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। सेबी के समक्ष दस्तावेजों के अनुसार केनरा रोबेको एएमसी की तरह ही केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का आईपीओ प्रवर्तकों और एक निवेशक द्वारा 23.75 करोड़ शेयर की पूर्ण बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। बिक्री पेशकश के तहत, केनरा बैंक 13.77 करोड़ शेयर बेचेगा, एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया-पैसिफिक) होल्डिंग्स लिमिटेड 47.5 लाख शेयर बेचेगा और पंजाब नेशनल बैंक 9.5 करोड़ शेयर बेचने की योजना बना रहा है।

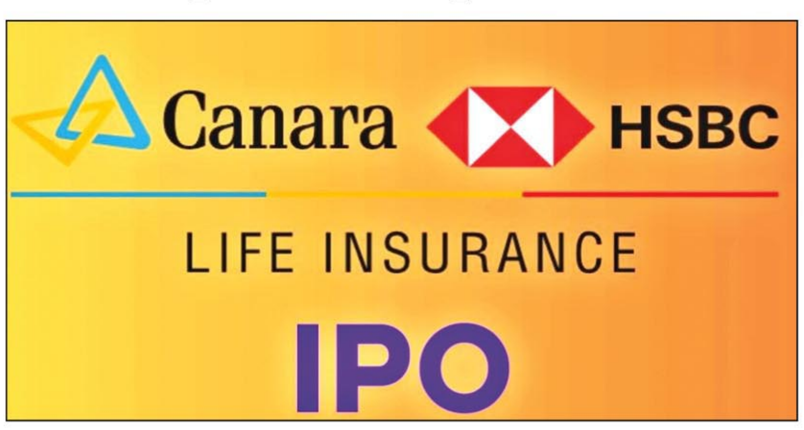

आईपीओं के पूरी तरह ओएफएस होने के कारण कंपनी को सार्वजनिक निर्गम से कोई आय प्राप्त नहीं होगी। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, केनरा बैंक द्वारा प्रवर्तित एक संयुक्त उद्यम है। इसके पास 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है तथा एचएसबीसी समूह की एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया पैसिफिक) होल्डिंग्स के पास 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

वर्ष 2024-25 में आधार कार्ड धारकों ने 2,707 करोड़ सत्यापन किए गए, अब तक हुए सत्यापन लेनदेन की कुल संख्या 14,800 करोड़ से अधिक हुई

नई दिल्ली। आधार कार्ड धारकों ने वित्त वर्ष 2024-25 में सत्यापन के लिए 2,707 करोड़ से अधिक लेनदेन किए जिनमें से 247 करोड़ सत्यापन अकेले मार्च महीने में ही किए गए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक मार्च 2025 में आधार के जरिये सत्यापन की कुल संख्या (246.75 करोड़) पिछले वर्ष की इसी अवधि के साथ फरवरी 2025 में किए गए सत्यापन से भी अधिक है। इसके साथ ही आधार की शुरुआत के बाद से अब तक हुए सत्यापन लेनदेन की कुल संख्या 14,800 करोड़ से अधिक हो गई है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा विकसित कृत्रिम मेधा/मशीन लर्निंग पर आधारित आधार चेहरा सत्यापन में महत्वपूर्ण वृद्धि देखने को मिल रही है।

भारत में फुटबॉल को मिलेगा नया बूस्ट, प्रीमियर लीग मुंबई में खोलेगा ऑफिस

मुंबई

इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) ने भारत में अपनी मौजूदगी को औपचारिक रूप देते हुए मुंबई में नया ऑफिस खोलने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य भारतीय फैन्स के साथ जुड़ाव बढ़ाना, ग्रासरूट फुटबॉल को प्रमोट करना और देश में फुटबॉल के समग्र विकास में योगदान देना है।

भारत में यह ऑफिस प्रीमियर लीग की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है। इससे पहले 2019 में सिंगापुर, 2023 में न्यूयॉर्क और 2024 में बीजिंग में भी ऑफिस खोले जा चुके हैं।

मुंबई ऑफिस का उद्घाटन इस रणनीति में एक अहम माइलस्टोन माना जा रहा है। यह नया ऑफिस प्रीमियर लीग को भारतीय फैन्स, ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स और स्थानीय फुटबॉल बॉडीज़ के साथ ज्यादा करीबी से काम करने में सक्षम बनाएगा। खासतौर से जियोस्टार जैसे ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स के साथ मिलकर लीग, इवेंट्स और पार्टनरशिप एक्टिविटीज़ के ज़रिए फैन्स के अनुभव को और गहरा बनाएगी।

प्रीमियर लीग 2007 से प्रीमियर स्किल्स%प्रोग्राम के माध्यम से भारत में फुटबॉल डेवलपमेंट से जुड़ी हुई है। ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम के जरिए अब तक 18 राज्यों में 7,300 से ज्यादा कोच, रेफरी और फुटबॉल एजुकेटर्स को ट्रेन किया गया है, जिससे 1.24 लाख से अधिक युवाओं को लाभ मिला है। 2014 से प्रीमियर लीग और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की साझेदारी कई अहम पहलुओं गवर्नेंस, यूथ डेवलपमेंट और कोचिंग ट्रेनिंग पर केंद्रित रही है। 2019 में शुरू हुआ 'नेक्स्ट जेन कप' इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अंतरराष्ट्रीय यूथ टूर्नामेंट का छठा संस्करण मई 2025 में मुंबई में आयोजित होगा, जिसमें आईएसएल की यूथ टीमें प्रीमियर लीग क्लबों की अंडर-19 टीमों से भिड़ेंगी।

प्रीमियर लीग के चीफ एग्जीक्यूटिव रिचर्ड मास्टर्स ने मंगलवार को एक बयान में कहा, भारत में हमारा एक शानदार और समझदार फैन्स बेस है। यहां पर हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को यह ऑफिस और मजबूत करेगा। हम इस क्षेत्र में संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं और इस पहल से भारतीय फुटबॉल में सार्थक योगदान देने की उम्मीद रखते हैं।

न्यूज ब्रीफ

डोपिंग के कारण दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन मैक्स पर्सेल पर लगा 18 महीने का बैन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दो बार के ग्रैंड स्लैम डबल्स चैंपियन मैक्स पर्सेल पर एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के चलते 18 महीने का प्रतिबंध लगाया गया है। यह मामला किसी प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का नहीं, बल्कि निषिद्ध प्रक्रिया के तहत आया है। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 27 वर्षीय पर्सेल ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने अनजाने में 100 मिलीलीटर की निर्धारित सीमा से अधिक विटामिन की आईवी ड्रिप ली थी। नियमों के अनुसार 12 घंटे की अवधि में 100 मिली से अधिक का इन्फ्यूजन प्रतिबंधित है। पर्सेल ने बताया कि उन्होंने क्लिनिक को सूचित किया था कि वे प्रोफेशनल एथलीट हैं और यह इन्फ्यूजन तय मात्रा से अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन फिर भी उन्हें दो बार 500 मिली से अधिक का इन्फ्यूजन दिया गया। आईटीआईए के अनुसार पर्सेल ने जांच में पूरा सहयोग किया और सभी जानकारियां साझा कीं। इसी कारण उनकी सजा में 25 प्रतिशत की छूट दी गई। आईटीआईए की सीईओ कैरेन मूरहाउस ने कहा, यह मामला यह दिखाता है कि डोपिंग नियम सिर्फ प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह व्यापक दायरे को कवर करते हैं। मैक्स पर्सेल को दिसंबर, 2023 में ही अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया गया था। अब उनकी आधिकारिक सजा 11 जून, 2026 तक मानी गई है। इस दौरान वे किसी भी टेनिस टूर्नामेंट में खेलने, कोचिंग देने या उपस्थित रहने के लिए अयोग्य रहेंगे।

वैभव सूर्यवंशी को दस लाख रुपये देगी बिहार सरकार

पटना। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे कम उम्र (14 साल) में शतक लगाने वाले खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फोन पर बात की उन्हें बधाई दी और उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने वैभव कोबिहार सरकार की ओर से 10 लाख रुपये की सम्मान राशि देने की घोषणा की। बिहार के समस्तीपुर जिले के रहने वाले वैभव सूर्यवंशी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फोन पर बात की और उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं।अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी अपनी मेहनत और प्रतिभा के बलबूते भारतीय क्रिकेट की एक नई उम्मीद बन गए हैं। सभी को उनपर गर्व है। मेरी शुभकामना है कि वैभव सूर्यवंशी भविष्य में भारतीय टीम के लिए नये कीर्तिमान रचें और देश का नामरोशन करें।इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैभव सूर्यवंशी को राज्य सरकार की तरफ से 10 लाख रुपये की सम्मान राशि देने का भी ऐलान किया। उल्लेखनीय है कि क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने 12 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास 1 अणे मार्ग पर मुलाकात की थी। तब मुख्यमंत्री ने उनके उज्वल भविष्य की कामना की थी।

क्या आईपीएल में सच होने वाला है धोनी-संजू का ऐड, जो बना था बिहार के लड़के पर

नई दिल्ली । भातर में आईपीएल मैच खेले जा रहे हैं। इसमें कब-क्या करिश्मा हो जाए कोई नहीं जानता। किसी ने सोचा भी नहीं था कि 14 साल का लड़का इंटरनेशनल गेंदबाजों के सामने टिक पाएगा अपने शानदार शतक से दुनिया का दिल जीत लेगा वैभव सूर्यवंशी ने शानदार आगाज किया है। कम उम्र में शतक लगाकर बोल्ड स्टेटमेंट दिया। उसने बता दिया कि टीम इंडियाज में अब उसकी एंट्री होने वाली है। वैभव की बदौलत राजस्थान जीत सकती है ट्रॉफी तो धोनी की हो सकती है विदाई वैभव आईपीएल में धूम मचा रहा है। उसके लिए उम्र महज एक नंबर है। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले वैभव ने धुंरधर गेंदबाजों की गेंद को मैदान में चारों और घुमा दिया है। उनके शतक ने सबको चौंका दिया। उसकी चारों ओर तारीफ हो रही है। वैभव सच कहें तो छोटा पैकेज और बड़ा धमाका हैं, जिस अंदाज में वैभव ने सोमवार के मैच में गुजरात को पानी पिलाया, उसने राजस्थान की प्लेऑफ की उम्मीदों को बरकरार रखा है। वैभव सूर्यवंशी की ताबड़तोड़ पारी से लग रहा कि आईपीएल वाले एड की भविष्यवाणी कहीं सच न हो जाए। दरअसल जियो हॉट स्टार पर धोनी-संजू सैमसन का वाला वह ऐड खूब पसंद किया गया। इसमें धोनी कहते हैं- संजू सुना है कि 13 साल के बच्चे खिला रहे हो इसके बाद संजू कहते हैं- जी भैया फिर धोनी कहते हैं- उसके पैदा होने से पहले हमने आईपीएल जीत लिया था।

हरियाणा ओलंपिक खेलों की तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी

हरियाणा ओलंपिक संघ की अध्यक्ष का बयान

चंडीगढ़

हरियाणा के खिलाड़ियों के लिए एक अहम खबर आई है। हरियाणा ओलंपिक संघ (एचओए) की अध्यक्ष मीनू बेनीवाल ने बताया कि इस साल आयोजित होने वाले हरियाणा ओलंपिक खेलों की तारीख जल्द तय होगी। मीनू बेनीवाल के अनुसार, 30 मई 2025 तक इन खेलों की तिथि निर्धारित होगी, जिससे राज्य के खिलाड़ियों को एक नया मौका मिलेगा।

बीते कई सालों से हरियाणा ओलंपिक खेलों का आयोजन राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण रुक हुआ था, इससे राज्य के हजारों खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका नहीं मिल सका। मीनू ने मुद्दे पर टिप्पणी कर कहा कि बीते 15 वर्षों में हरियाणा राज्य खेलों का आयोजन न होने के कारण करीब पंद्रह हजार खिलाड़ियों को न नौकरी मिली और न ही उन्हें किसी मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि अगर हर साल हरियाणा ओलंपिक होते, तब सैकड़ों खिलाड़ी हर साल पदक जीतकर सरकारी नौकरी पाते।

बेनीवाल ने तैराकी सुविधाओं की सराहना कर हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री की प्रशंसा की, जिनकी मदद से राज्य में खिलाड़ियों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाएं मिली हैं। एचओए अध्यक्ष ने घोषणा की कि राज्य में हर जिले में कम से कम एक खेल को अपनाया जाएगा, जिससे राज्यभर में खेलों की सुविधाएं बढ़ेंगी और स्थानीय प्रतिभाओं को मौका मिलेगा।

साथ ही, हरियाणा ओलंपिक खेलों में 22 खेलों को शामिल किया जाएगा और इन खेलों को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र बनाए जाएंगे। एचओए, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) की तर्ज पर बाहरी पक्षों के साथ अनुबंध करके इन खेलों की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने का काम करेगा। मीनू बेनीवाल ने कहा कि यह आयोजन न सिर्फ खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन अवसर होगा, बल्कि राज्य की खेल संस्कृति को भी एक नई दिशा मिलेगी।

गुजरात को हराने के बाद राजस्थान के पास प्लेऑफ्स में पहुंचने का मौका

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के प्लेऑफ्स की रेस से अभी राजस्थान रॉयल्स बाहर लग रही थी लेकिन गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच से पहले टीम के बॉलिंग कोच शेन बॉन्ड ने माना था कि उनकी टीम प्लेऑफ्स की रेस से संभावित तौर पर बाहर हो चुकी है। हालांकि जिस तरह का खेल राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ दिखाया, उससे टीम के प्लेऑफ्स की उम्मीदें बढ़ गई हैं। टीम अभी भी टूर्नामेंट में बनी हुई है। आरआर के बाकी के चार मैच, एक भी हारी तो हो जाएगी बाहर राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2025 में अब तक 10 मुकाबले खेल चुकी है। पॉइंट्स टेबल में टीम 8वें स्थान पर है, लेकिन पहले स्थान वाली टीम से 8 अंक पीछे है। राजस्थान रॉयल्स को अभी चार मैच और खेलना बाकी हैं। राजस्थान की टीम बाकी के चार और मैचों में जीत हासिल करती है तो 14 अंकों तक पहुंच जाएगी। 14 अंकों से टीम सीधे तो प्लेऑफ्स में क्वॉलिफाई नहीं कर पाएगी, लेकिन एक चांस टीम के पास होगा, क्योंकि आईपीएल के इतिहास में कई बार टीम 14 अंक हासिल करके भी प्लेऑफ्स के लिए क्वॉलिफाई करने में सफल हुई हैं। अगर राजस्थान रॉयल्स अपने बाकी के चार मैचों में जीत दर्ज करती है तो टॉप 4 में फिनिश करने के करीब पहुंच जाएगी, लेकिन फिर टीम को कम से कम चौथे नंबर वाली टीम के खाते में 14 से ज्यादा अंक ना हो और नेट रन रेट भी राजस्थान रॉयल्स का उस टीम से बेहतर रहे। पिछले सीजन हमने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के साथ ऐसा देखा था, जब टीम ने 14 अंक और बेहतर नेट रन रेट से प्लेऑफ्स में जगह बनाई थी। पिछले सीजन आरसीबी ने 6 में से 6 मैच आखिरी के लीग फेज में जीते थे। बता दें राजस्थान रॉयल्स के जो चार मुकाबले बाकी हैं, उनमें एक मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ जयपुर में, 4 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ कोलकाता में, 12 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेन्नई में और 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने होम ग्राउंड में है।

आगे बढ़ने और आगामी मुकाबलों पर ध्यान देने की जरूरत: हर्षित राणा

नई दिल्ली

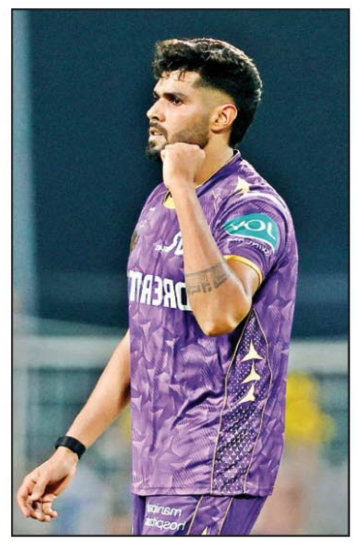

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुक़ाबले से पहले टीम के दोबारा जीत की राह पर लौटने का विश्वास जताया है। सोमवार को मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राणा ने हालिया हार को भुलाकर भविष्य की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

हर्षित राणा ने कहा, जितना हम अपने पिछले दो मुकाबलों के परिणामों को पीछे छोड़ेंगे, हमारे लिए उतना ही बेहतर रहेगा। अगर हम उन हारों को लेकर ज्यादा सोचेंगे तो टीम का मनोबल प्रभावित हो सकता है। हमें अब आगे के सभी मैच जीतने का लक्ष्य रखना है।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम की सतह को लेकर राणा ने कहा, यहां आमतौर पर उछाल कम होता है। पिछली भिड़ंत में भी देखने को मिला कि गेंद धीमी हो रही थी और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के गेंदबाजों ने इसका लाभ उठाया।

उन्होंने कहा कि सफल होने के लिए ज़रूरी है कि टीम जल्द से जल्द खेल क्षेत्र की प्रकृति को समझे और उसी के अनुसार रणनीति बनाए।

हर्षित ने कोलकाता के भारतीय गेंदबाज़ी दल की तारीफ करते हुए कहा, हमारा भारतीय गेंदबाज़ी दल बेहद मजबूत है।किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमारी गेंदबाज़ी काफी प्रभावी रही है। अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए राणा ने कहा कि वे इस सत्र में और बेहतर करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, रिवर्स स्विंग अब बहुत अहम हो गया है। इसके अलावा, अब हम फिर से गेंद पर लार (सलाइवा) का उपयोग कर सकते हैं, जिससे अंतिम ओवरों में गेंदबाज़ी करना आसान हुआ है।

टीम के सहयोगी दल की सराहना करते हुए राणा ने विशेष रूप से सहायक प्रशिक्षक अभिषेक नायर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, अभिषेक नायर क्रिकेट को गहराई से समझते हैं और भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता से भली-भांति परिचित हैं। उनकी मौजूदगी ने मेरे खेल में भी सकारात्मक बदलाव लाया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक इस सत्र में नौ मुकाबले खेले हैं, जिनमें से उन्हें तीन में जीत मिली है। उनका पिछला मुक़ाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ वर्षा के कारण रद्द हो गया था। अब टीम दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध मजबूत वापसी की उम्मीद कर रही है, जो नौ मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर मौजूद है।

स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिप

चीन के दिग्गज स्नूकर खिलाड़ी डिंग जुन्हुई सोमवार को स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो गए। उन्हें गत चैम्पियन बेल्जियम के लुका ब्रेसेल ने 13-4 के बड़े अंतर से हराया। वहीं, उनके हमवतन और युवा खिलाड़ी सि जियाहुई ने लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। डिंग जुन्हुई का सपना फिर अधूरा 38 वर्षीय डिंग पहले ही सोमवार के फाइनल सत्र से पहले लगभग हार के करीब थे। वह ब्रेसेल से 12-4 से पीछे चल रहे थे। सोमवार को ब्रेसेल ने महज 15 मिनट में 71 अंकों की ब्रेक लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब वह क्वार्टरफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 जुड ट्रंप से भिड़ेंगे। डिंग, जिनके नाम 15 रैंकिंग खिताब हैं, अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब नहीं जीत सके हैं। इस साल उन्होंने जर्मनी के जाक सुरेटी को 10-7 से हराकर पांच साल में पहली बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई थी। सि जियाहुई ने फिर दिखाया दम दूसरी ओर, 22 वर्षीय सि जियाहुई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिटेन के बेन वूलास्टन को 13-10 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

ग्रांड चेस टूर पोलैंड रैपिड: चिथंबरम और प्रज्ञानानंद ने तीसरे दिन चमक बिखेरी

नई दिल्ली

पोलैंड में जारी ग्रांड चेस टूर: सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट के तीसरे दिन सोमवार को भारत के अरविंद चिथंबरम और आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन किया।

अरविंद चिथंबरम ने दूसरे दिन की शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए सातवें और नौवें राउंड में जान-क्रिज़टोफ़ डूडा और अलीरेज़ा फिरोजजा को हराया। इस जीत के साथ वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुँच गए हैं। चिथंबरम ने अब तक चार मुकाबले जीते हैं, हालांकि दो मुकाबलों में उन्हें हार का सामना भी करना पड़ा है।

वहीं प्रज्ञानानंद ने दूसरे दिन के निराशाजनक प्रदर्शन से उबरते हुए डेविड गव्रिलेस्कु और डूडा के खिलाफ लगातार दो जीत दर्ज कीं। उनके इस प्रदर्शन ने उन्हें अंकतालिका में चौथे स्थान पर पहुंचा दिया है। खास बात यह रही कि तेज चालों वाले मुकाबलों में उनकी सटीकता ने उन्हें बढ़त दिलाई।

फेडोसीव शीर्ष पर बरकरार

रूस के व्लादिमीर फेडोसीव अब भी शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। हालांकि उन्होंने केवल दो मुकाबले जीते हैं, लेकिन उनकी पिछली छह बाजियाँ ड्रॉ रही हैं। दूसरी ओर, वेसलिन टोपालोव सबसे निचले पायदान पर हैं, जो अब तक छह हार के साथ केवल पांच अंक ही जुटा सके हैं।

अब ब्लिट्ज की बारी

रैपिड राउंड के समापन के बाद अब ब्लिट्ज मुकाबले शुरू होंगे। मैग्नस कार्लसन की अनुपस्थिति के चलते खिताब की दौड़ खुली हुई है, और चिथंबरम व प्रज्ञानानंद दोनों भारतीय खिलाड़ी मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि 1,75,000 अमेरिकी डॉलर है, और इसका प्रदर्शन पूरे ग्रांड चेस टूर सीजन की फाइनल रैंकिंग पर भी प्रभाव डालेगा।

प्रज्ञानानंद पर रहेगी सबकी नजर

तेजी से चालें चलने में माहिर प्रज्ञानानंद, जिन्होंने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स खिताब जीतते हुए विश्व चैंपियन डी. गुकेश को भी हराया था, एक बार फिर प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरे उतरने की कोशिश करेंगे।

टेनिस में विविधता बढ़ाने के लिए यूएसटीए और एटीए की नई पहल, ब्लैक खिलाड़ियों को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली

संयुक्त राज्य टेनिस संघ (यूएसटीए) और अमेरिकन टेनिस एसोसिएशन (एटीए) ने सोमवार को टेनिस में विविधता बढ़ाने के उद्देश्य से एक नई पहल की घोषणा की, जिसका मुख्य फोकस खेल में ब्लैक (अश्वेत) प्रतिनिधित्व को बढ़ाना है।

टेनिस को लंबे समय से एक श्वेत-प्रधान खेल के रूप में देखा जाता रहा है, और अब तक सिर्फ दो ब्लैक पुरुष खिलाड़ी — आर्थर ऐश और यानिक नोआ — ही किसी ग्रैंड स्लैम खिताब को जीत सके हैं। यहां तक कि शीर्ष स्तर पर भी अश्वेत खिलाड़ियों को भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।

यूएसटीए की चीफ डाइवर्सिटी, इक्विटी एंड इंक्लूजन ऑफिसर, मारिसा ग्रिम्स ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम एटीए के साथ अपने संबंधों को औपचारिक रूप देने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। एटीए ने ऐतिहासिक रूप से टेनिस को अधिक समावेशी और विविधतापूर्ण बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

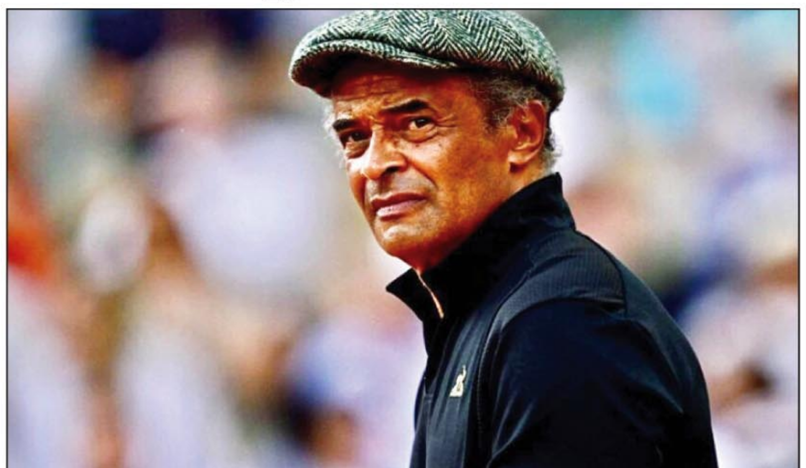

एटीए की स्थापना 1916 में उस समय हुई थी जब यूएसटीए के पूर्ववर्ती संगठन, यूनाइटेड स्टेट्स लॉन टेनिस एसोसिएशन ने अश्वेत खिलाड़ियों को संगठित टूर्नामेंटों में श्वेत खिलाड़ियों के साथ खेलने से रोक दिया था।

यह साझेदारी एक ऐतिहासिक समय के साथ मेल खा रही है — 1950 में अल्थिया गिब्सन द्वारा रंगभेद की दीवार तोड़ते हुए यूएस नेशनल चैंपियनशिप (अब यूएस ओपन) में खेलने की 75वीं वर्षगांठ। इसके साथ ही यह आर्थर ऐश के 1975 में विंबलडन जीतने की 50वीं वर्षगांठ भी है — वह ऐसा करने वाले पहले और अब तक के एकमात्र अफ्रीकी-अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी हैं।

एटीए अध्यक्ष रॉबर्ट फोस्टर ने कहा, जैसा कि अल्थिया ने एक बार कहा था — आप चाहे जितनी भी उपलब्धियां हासिल करें, किसी न किसी ने आपकी मदद की होती है। यूएसटीए के साथ यह साझेदारी हमें एटीए के बारे में जागरूकता बढ़ाने, हमारे ब्रांड को आगे लाने और टेनिस समुदाय को फैलाने में मदद करेगी।

इस पहल के तहत जूनियर स्तर से लेकर पेशेवर खिलाड़ियों और कोचों तक के लिए एक मेंटरशिप प्रोग्राम शुरू किया जाएगा ताकि विविध पृष्ठभूमियों से आने वाले खिलाड़ियों को बेहतर मौके मिल सकें। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका में डाइवर्सिटी, इक्विटी और इंक्लूजन (डीइआई) से जुड़ी पहलों पर राजनीतिक हमला हो रहा है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसे कई कार्यकारी आदेश जारी किए हैं जो डीइआई कार्यक्रमों को खत्म करने की दिशा में हैं, चाहे वह संघीय सरकार हो या निजी क्षेत्र। ट्रंप और उनके समर्थकों का मानना है कि डीइआई कार्यक्रम श्वेत लोगों और पुरुषों के साथ भेदभाव करते हैं और योग्यता के महत्व को कम करते हैं। वहीं डीइआई समर्थकों का कहना है कि यह पहल दशकों से हाशिए पर रही आबादी के खिलाफ हुए अन्याय को दूर करने के लिए जरूरी हैं।

घमंडी लोगों को कैसे चुप कराएं?

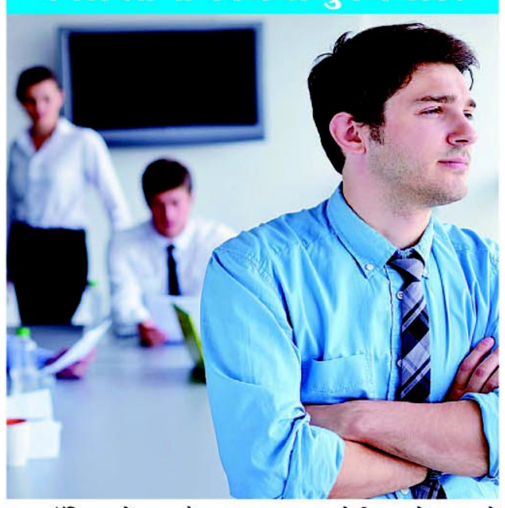

ऑफिस में आपके साथ कुछ सहयोगी अपने आपको जिंदादिल, हार्ड वर्किंग और बहुत बार खुद को चुलबुला दिखाने की कोशिश करते होंगे। ऐसे लोगो में आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा होता है। इसी चक्कर में वे इस सोच में रहते हैं कि वे हर काम बहुत ही जल्दी से और आसानी से कर लेंगे। ऐसे ओवरकॉफिडेंट लोगों को ऐसा लगने लगता है कि उनके पास हर समस्या का हल है। ऑफिस में हर व्यक्ति उसकी मदद लेता है। अच्छे एंक्सपीरियंस की वजह से वे दूसरो के कामों में नुक्ताचीनी करते है, अपने जूनियर्स को अंडर एस्टीमेट करते हैं। बहुत बार कॉन्फिडेंस घमंड में बदल जाता है। वे इगो दिखाना शुरू कर देते हैं और दफ्तर के लोग उनसे बात करना पसंद नहीं करते। यह लोग अपना काम तो अच्छे से निपटा लेते है लेकिन दूसरों के कामो में रुकावट डालते हैं। ऐसे में घमंडी व्यक्ति को अपने काम में ज्यादा तवज्जो नहीं देनी चहिए। अपना काम खुद करने की कोशिश करें। ऐसे लोगों को अपनी तारीफ सुनना बहुत अच्छा लगता है। इन लोगों की चापलूसी करने से बचें। ये लोग किसी भी मुद्दे पर बहस करने से नहीं चूकते। अपनी नॉलेज दूसरों से शेयर करने की बजाए उन पर बहस करते हैं। बेस्ट तरीका यह है कि आप उनकी बहस पर ध्यान ही न दे। अपने काम पर फोकस रखें। वे अपने आप शर्मिंदा होकर चुप हो जाएंगे।

कूल लुक देती है पोलो टी-शर्ट...

गर्मियों के दिनों में हर युवा को अपनी वार्डरोब में पोलो टी-शर्ट को रखना बेहद पसंद होता है। पोलो टी शर्ट काफी आरामदायक होती हैं। यह काफी क्लासी और सोफेस्टीकेडेट होती हैं जिन्हे सिर्फ एक क्लास के ही लोग पसंद करते हैं। पोलो टी शर्ट को चाहें तो फॉर्मल कपड़ों में पहने या फिर किसी खास इवेंट में। इस टी शर्ट का इजाद तब हुआ था, जब पोलो खेलने वाले खिलाडियों को एक विशेष ड्रेस पहनकर खेलना होता था। धीरे-धीरे ये शौक बन गया है और प्राईवेट पोलो ग्राउंड पर भी लोग इसे पहन कर खेलना पसंद करने लगे। अब इन्हे सिर्फ ग्राउंड पर पहनने की जरूरत नहीं है, आप किसी भी मौके पर इसे पहन सकते हैं सिवाय फॉर्मल मीटिंग के। अगर आपको अपनी वॉर्डरोब में किसी टी-शर्ट को रखना है तो ब्लैक कलर की टी शर्ट सबसे बेस्ट होती है। यह सभी कलर के पैंट या जींस के चलती है और इम्प्रेसिव भी लगती है। आप चाहें तो सफेद पोलो टी शर्ट भी ले सकते हैं। इसे ऑफिस या बाहर भी आराम से पहना जा सकता है। जरूरी नहीं कि आप पोलो टी शर्ट को पैंट या जींस के साथ ही पहनें, आप शॉर्ट्स के साथ भी इसे पहन सकते हैं। किसी भी कंट्रास्ट कलर के पैंट के साथ यह फबता है। पोलो टी शर्ट में धारीदार यानी स्ट्रिप टी शर्ट भी आती है। इससे लंबाई ज्यादा लगती है और उम्र थोड़ी कम लगती है। अब आप अगली बार जब भी पोलो टी शर्ट खरीदें तो इन सभी बातों का ध्यान रखें और गर्मियों के मौसम में कूल-कूल लुक में दिखें।

न्यू वॉल डेकोर ट्रेंड्स...

यदि आप घर को रिनोवेट करवाने की सोच रहे हैं, तो कुछ नया ट्राइ कर सकते हैं। इन दिनों होम डेकोर के न्यू ट्रेंड्स देखने को मिल रहे हैं, जो न सिर्फ इंटीरियर को खास बनाते हैं, बल्कि घर को न्यू लुक भी देते हैं। खासकर वॉल डेकोरेशन में काफी नए ट्रेंड्स देखे जा रहे हैं। इन्हें पहले से ज्यादा आर्टिस्टिक बनाया जा रहा है। साथ ही इको फ्रेंडली इंटीरियर से भी जोड़ा जा रहा है। वॉल डेकोर के ट्रेंड्स पर एक नजर।

स्टोन आर्ट वर्क

दीवारों पर स्टोन का आर्ट वर्क भी काफी पसंद किया जा रहा है। इन्हें टीवी वॉल या फिर सेंटर वॉल पर ट्राई किया जा सकता है। दूसरी ओर, मार्केट में डिफरेंट तरह के स्टोन देखे जा रहे हैं, जो दीवारों के लिए काफी पसंद किए जाते हैं, इनमें कलर फुल स्टोन काफी डिफरेंट एंड ट्रेंडी लुक देते हैं।

वर्टिकल गार्डन

वर्टिकल गार्डन का कॉन्सेप्ट काफी पसंद किया जा रहा है। बाहर के साथ-साथ इस तरह के गार्डन को घर के अंदर भी लगाया जा सकता है। ड्रॉइंग रूम के अलावा वॉशरूम में भी वर्टिकल गार्डन काफी अच्छे लगते हैं। वॉशरूम की वॉल पर यह गार्डन फ्रेशनेस का अहसास देंगे। वॉशरूम में मॉस वॉल भी लगवाई जा सकती है।

डिफरेंट म्यूरल्स

दीवारों पर म्यूरल्स लगवाना काफी कॉमन है। इसमें भी अब डिफरेंट वैराइटीज नजर आ रही हैं, जिनमें डिजिटल और 3डी भी शामिल हैं। डिजाइनर्स की मानें तो वॉल से लेकर फ्लोर तक अट्रैक्टिव पेपर एंड म्यूरल्स देखे जा रहे हैं। वॉल पर कॉज्मिक और सी लाइफ काफी पसंद की जा रही है, इसके तहत दीवार पर नैचुरल कलर्स उभरते हैं।

क्यूलॉट्स की लोकप्रियता बढ़ने की सबसे बडी वजह यह है कि ये सुपर कंफर्टेबल होने के साथ ही सुपर स्टाइलिश भी होते हैं। क्यूलॉट्स को कई तरह के अपरवेयर्स के साथ कंबाइन किया जा सकता है, जैसे टक्ड इन शर्ट, क्रॉप्ड टॉप, टैंक टॉप, लॉन्ग ट्यूनिक, ब्लेजर आदि। हाइ वेस्टेड टेलर्ड क्यूलॉट्स हील्स के साथ कमाल लगती हैं।

ट्राय करें ट्रेंडी क्यूलॉट्स...

ट्राउजर्स और पलाजो पहन कर बोर हो गई हैं, तो क्यों न वॉर्डरोब में कुछ नया ऐड किया जाए। लिनेन, डेनिम, सिल्क और खादी से बने क्यूलॉट्स इस सीजन का सबसे बडा ट्रेंड बन कर उभरे हैं। सही स्टाइलिंग की मदद से ये आपको विविध लुक्स दे सकते हैं। पिछले कुछ सीजंस से फैशन की दुनिया में लोअरवेयर्स का जलवा रहा है। फिर चाहे वे शॉर्ट्स हों, लेगिंग्स हों या पलाजो। इस कड़ी में सबसे लेटेस्ट नाम जुडा है क्यूलॉट्स का। रनवे से स्ट्रीट तक हर जगह इनका जलवा देखा जा सकता है। इन्हें कॉलेज से लेकर ऑफिस और लॉन्ग ड्राइव तक लगभग हर जगह पहना जा सकता है।

सुपर स्टाइलिश

क्यूलॉट्स की लोकप्रियता बढ़ने की सबसे बडी वजह यह है कि ये सुपर कंफर्टेबल होने के साथ ही सुपर स्टाइलिश भी होते हैं। पहले से प्रचलित परिधानों की भीड़ में ये ताजगी और नएपन का एहसास कराते हैं। अलग-अलग तरह से इनकी स्टाइलिंग करके विभिन्न लुक्स पाए जा सकते हैं।

कॉम्बिनेशंस

क्यूलॉट्स को कई तरह के अपरवेयर्स के साथ कंबाइन किया जा सकता है, जैसे टक्ड इन शर्ट, क्रॉप्ड टॉप, टैंक टॉप, लॉन्ग ट्यूनिक, ब्लेजर आदि। हाइ वेस्टेड टेलर्ड क्यूलॉट्स हील्स के साथ कमाल लगती हैं। अगर आपकी लंबाई अच्छी है तो आप वाइड हेमलाइन वाली सॉलिड कलर्ड क्यूलॉट्स को अपने पसंदीदा टॉप और समर सैंडल्स के साथ कंबाइन कर सकती हैं। लेदर क्यूलॉट्स को रेट्रो स्टाइल टॉप के साथ पहनना भी अच्छा आइडिया है।

लॉन्ग ड्राइव पर

जहां प्लीटेड क्यूलॉट्स को टक्ड इन कॉलर्ड शर्ट के साथ कंबाइन करके आप फॉर्मल लुक पा सकती हैं, वहीं फ्लोरल प्रिंट्स वाले क्यूलॉट्स को क्रॉप टॉप के साथ कंबाइन करके आप रोमैंटिक लुक क्रिएट कर सकती हैं। अगर लॉन्ग ड्राइव पर जाते वक्त आप क्यूलॉट्स पहनना चाहती हैं, तो क्रॉप्ड क्यूलॉट्स के साथ टैंक टॉप पहनें। इसी तरह बुक लॉन्च इवेंट में टैन प्लीटेड क्यूलॉट्स के साथ जॉर्जट रफल्ड शर्ट पहन सकती हैं।

फुटवेयर्स

इसके साथ आप किसी भी तरह के ओपेन टो हील फुटवेयर्स पहन सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, इसके साथ वेजेज, पीपटोज और स्ट्रैपी सैंडल्स का कॉम्बिनेशन अच्छा लगता है। इसके साथ क्लोज्ड़ टो सैंडल्स पहनने से बचना चाहिए।

ज्यूलरी का चयन

क्यूलॉट्स के साथ आप स्टेटमेंट नेकपीसेज कंबाइन कर सकती हैं। साथ ही आप इसके साथ थिन फॉर्मल बेल्ट या एंबेलिश्ड बेल्ट भी कंबाइन कर सकती हैं। चूंकि इसे पहनने पर आपके एंकल्स नजर आते हैं, इसलिए इसके साथ आप एंकलेट्स भी पहन सकती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

- क्यूलॉट्स के साथ फ्लिप-फ्लॉप्स न पहनें।
- अगर आपकी वेस्ट शेप में है तो क्यूलॉट्स के साथ आप थिन बेल्ट पहन कर इसे डिफाइन कर सकती हैं।
- अगर आपकी लंबाई कम है तो क्रॉप्ड क्यूलॉट्स पहनने से बचें। संकरी हेमलाइन वाले फुल लेंथ क्यूलॉट्स का चयन करें।
- कंफर्टेबल फैब्रिक से बने क्यूलॉट्स पहनें।
- अपने कॉम्प्लेक्शन को सूट करते हुए क्यूलॉट्स का चयन करें।

पैरों के हिसाब से फैशन...

परफेक्ट्ली टोन्ड लेग्स एक्सपोज करने के लिए यह मौसम उपयुक्त है। अगर आपके पैर टोन्ड नहीं हैं तो हल्की-फुल्की एक्सरसाइज के बाद से आप अपने लेग्स शेप में कर सकती हैं।

फॉर फुलर लेग्स

अगर आपके पैर गठीले हैं तो आप 'अबव द नी लेंथ' ड्रेसेज में अलग-अलग शेप्स और कट्स ट्राई कर सकती हैं। असिमिट्रिकल डिजाइंस के साथ आप अपने फुलर लेग्स को फ्लॉन्ट कर सकती हैं। जमीन पर सीधा लेट जाएं। इसके बाद अपने दोनों पैरों को बारी-बारी से क्लॉकवाइज और एंटी-क्लॉकवाइज डायरेक्शन में घुमाएं। पैर घुमाने के दौरान जितना बड़ा सर्कल आप क्रिएट कर सकेंगी, आपके लिए उतना ही फायदेमंद होगा। 30 रेपिटिशंस के तीन सेट्स ट्राई करें।

फॉर थिन लेग्स

अगर आपके पैर पतले हैं तो फ्लोइंग ड्रेसेज आपके लिए उपयुक्त हैं। लेंथ आप अपनी पसंद की चूज कर सकती हैं। पतले पैरों के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग आवश्यक होती है। स्टेपर पर स्टेप्स करें या सीढ़ियां चढ़ें-उतरें। साथ ही लंजेस ट्राई करें। हाथों में डंबल्स लेकर एक पैर को सीधा आगे की तरफ लाकर दोनों घुटनों को इस तरह मोड़ें की नाइंटी डिग्री एंगल बने। एक पैर के लिए 20 रेपिटिशंस के तीन सेट ट्राई करें।

फॉर हेवी काफ्स

अगर आपका काफ पोर्शन हेवी है तो ध्यान रखें कि आपकी ड्रेस काफ मसल्स को कवर करती हुई हो। बहुत छोटी लेंथ की ड्रेस बेयर लेग्स पर नहीं जंचेगी। काफ मसल्स टोन करने के लिए अपने पैरों को 45 डिग्री तक खोलें। पंजों के बल एड़ियों को उठाकर आपको स्क्वॉट्स करने हैं। इसमें पंजों के बल खड़े होकर आपको नीचे की तरफ झुकना है। ध्यान रखें कि आपकी बैक बोन सीधी रहे और आप जितना नीचे जा सकें, आपके काफ मसल्स के लिए उतना ही बेहतर होगा।

फॉर हेवी थाइज

हेवी थाइज हों तो ऐसी ड्रेसेज ट्राई करें जिसमें थाइज ज्यादा एक्सपोज न हों। थाइज को टोन करने के लिए स्क्वाट्स ट्राई करें। पैरों को 45 डिग्री फैलाकर बैक बोन सीधी रखते हुए बैठने की मुद्रा में झुकें। 20-25 रेपिटिशंस के तीन सेट्स ट्राई करें। हाथों में वेट्स लेकर स्क्वाट्स भी करें, यह आपकी थाइज को टोन करेंगे।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आजकल हर लड़की स्टाइलिश दिखने के लिए ड्रैस के साथ मैच करते हुए ही फुटवियर्स पहनती हैं। बाजार में फुटवियर्स ट्रैंड में स्मार्ट, स्टाइलिश, ट्रैंडी फ्लोरल हाई हील्स देखने को मिलती हैं। हील्स आपकी छोटी हाइट को लंबा बना कर आपको और स्टाइलिश दिखाती हैं। अगर आप हाई हील्स के शौकीन हैं तो कभी 4 इंच से ऊंची हील्स न पहनें।
- कभी भी हर रोज एक तरह की हील्स न पहनें। बदल-बदल कर पहनें ताकि आप के पैरों को आराम मिलें।
- पार्टी में अपनी लुक को अच्छा बनाने के लिए आप ड्रैस को साथ किटेन हील्स पहनें।
- छोटे पैरों में टी स्ट्रैप वाली हील्स कभी न पहनें। ऐसी हील्स को अवॉइड करें।
- लंबे पैरों में ओवल शेप हील्स ही पहनें। इन्हे पहन कर आपके पैर बहुत ही सुंदर दिखाई देंगे।
- अगर आप पार्टी में जाने की शौकीन हैं तो आपकी ड्रैस के साथ स्ट्रैपी हील्स परफेक्ट दिखेगी।
- पैंसिल हील से पैरों में दर्द होने लगता है। इसलिए चौडी हील्स खरीदें, इससे पैरों पर कम दबाव पड़ता है।

खरीदनी है पहली कार तो ये हैं ऑप्शन...

सपनों की गाड़ी खरीदने की चाहत रखने वालों के लिए पहली कार हमेशा कुछ खास होती है। हालांकि पहली कार खरीदते समय आम आदमी को अपना बजट भी संभालना पड़ता है। अगर आप ढूंढ़ रहे हैं ऐसी ड्रीम कार जो सारी खूबियों के साथ कम कीमत में भी आ जाए तो ये खबर आपके लिए काम की है। यहां हम पहली कार खरीदने वालों के लिए ऐसी कारें बताने जा रहे हैं जो अच्छा विकल्प साबित हो सकती हैं। अपनी पसंद, खूबियों और बजट के हिसाब से इनमें से कोई भी कार चुनकर घर ले आइए।

मारुति सुजुकी ऑल्टो

पहली कार खरीदने वालों के लिए मारुति ऑल्टो हमेशा से बढ़िया पसंद रही है। मारुति जो देश की सबसे बड़ी कार कंपनी है छोटी कारों के सेगमेंट में हमेशा सबसे आगे रही है। पहले इसकी मारुति 800 लोगों की पसंदीदा कार थी और अब ऑल्टो भी उसी राह पर आगे बढ़ रही है क्योंकि इसकी कीमत काफी कम है। ऑल्टो की फिलहाल कीमत 2.57 लाख रुपए है जो पहली कार खरीदने वालों के लिए एक आकर्षक कीमत है। ये एक एंट्री लेवल कार है और इतनी कीमत में लोगों को देश का सबसे भरोसेमंद ब्रांड मिल रहा है तो इससे अच्छी बात क्या है।

रेनॉल्ट क्विड

रेनॉल्ट क्विड के लुक्स इसकी खासियत हैं जो इसे अन्य छोटी कारों से काफी अलग रखते हैं। इसके इंटीरियर्स काफी खास हैं और बाहर से छोटी कार दिखने के बावजूद अंदर से ये सेडान जैसा फील कराती है। इस कार का माइलेज भी 25 किलोमीटर प्रति लीटर है जो छोटी कारों के लिहाज से काफी अच्छा औसत कहा जा सकता है। रेनॉल्ट क्विड की कीमत भी बजट कारों के तहत लुभाती है क्योंकि 2.62 लाख रुपए में अच्छे फीचर्स के साथ ये कार मारुति की ऑल्टो और ह्युंडई की इयॉन को कड़ी टक्कर दे रही है।

ह्युंडई इयॉन: इस कार की थीम है इसका कम्फर्ट और स्टाइलिश लुक जो अन्य छोटी कारों में थोड़ी मुश्किल से मिलता है। ऑल्टो और क्विड के मुकाबले यह कार काफी ज्यादा आकर्षक लगती है लेकिन इसीलिए इसकी कीमत भी उनसे थोड़ी ज्यादा है- 3.25 लाख रुपए। इस कार में 56 पीएस का इंजन मिलता है और ये कार 20 किलोमीटर प्रति लीटर के माइलेज का दावा करती है।

टाटा टिएगो: टाटा टिएगो की खासियत यह है कि पेट्रोल और डीजल दोनों वेरिएंट में आती है। हालांकि डीजल वेरिएंट की कीमत 3.95 लाख रुपए है जो पेट्रोल वेरिएंट 3.2 लाख रुपए से थोड़ी ज्यादा है। इस कार के लॉन्च के समय इसे सबसे ज्यादा फ्यूल एफिशिएंट कार बताया गया था। इसके लुक्स तो ग्लोबल हैं ही और ये हैंडलिंग में भी ईजी फील कराती है।

ह्युंडई आई10: एक समय छोटी कारों के बाद ह्युंडई सैंट्रो का जलवा था और मारुति 800 के बाद इसने छोटी कारों के सेगमेंट में अपनी धाक जमा दी थी। इसके बाद आई ह्युंडई आई10 भी छोटी कारों के सेगमेंट में काफी पॉपुलर है और काफी ज्यादा बिकती है। इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसका कम्फर्ट और इसका आकर्षक डिजाइन है जो लोगों को सालों से लुभाता आ रहा है। हालांकि एंट्री लेवल कार के हिसाब से इसकी कीमत थोड़ी ज्यादा है यानी 4.25 लाख रुपए।

रैशेज की समस्या को दूर करने के कारगर उपाय

टाइट कपड़े पहनने, पसीने और बहुत ज्यादा चलने से अक्सर जांघों के बीच रैशेज पड़ जाते हैं। इनमें बहुत ज्यादा खुजली होती है, साथ ही दर्द भी। इन्हें अवॉयड करने से ये इन्फेक्शन फैल सकता है, जो तकलीफ को बढ़ाने का काम करता है। रैशेज की प्रॉब्लम महिलाओं से लेकर पुरुषों तक, किसी के भी साथ हो सकती है।

रैशेज की समस्या को दूर करने के लिए अपनाएं जाने वाले उपाय

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल अंदरूनी रैशेज की समस्या को दूर करने में मददगार होता है। रैशेज वाली जगह पर इसकी ताजी पत्तियों से निकला जेल लगाकर इसे सूखने दें। जल्द असर के लिए दिन में 2-3 बार इसका इस्तेमाल करें।

पाउडर

रैशेज वाली जगह पर किसी अच्छे एंटी बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल करें। टैल्कम पाउडर आसानी से अंदरूनी एरिया के पसीने को एब्जॉर्ब कर लेता है। कोशिश करें पाउडर का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर सकें।

बर्फ

बर्फ का कूलिंग इफेक्ट रैशेज का असरदार इलाज है। हर दो घंटे में अंदरूनी रैशेज वाली जगह बर्फ के टुकड़े को सिकाई करें। बहुत जल्द फायदा मिलता है।

केमोमाइल टी

केमोमाइल टी का इस्तेमाल करके भी रैशेज से छुटकारा पाया जा सकता है साथ ही इसमें मौजूद हर्ब्स और भी कई प्रकार की स्किन से जुड़ी समस्याओं को दूर रखते हैं। अंदरूनी रैशेज होने पर उसे केमोमाइल टी से साफ करें।

विनेगर(सिरका)

अगर रैशेज की समस्या इन्फेक्शन में बदलती दिख रही है तो तुरंत उस एरिया पर विनेगर लगाना शुरू कर दें। जल्द असर के लिए विनेगर में शहद की मात्रा भी मिला सकते हैं।3-4 बार इन्फेक्शन वाली जगह पर लगाएं।

विटामिन ई

विटामिन ई के इस्तेमाल से भी रैशेज की समस्या दूर होती है। विटामिन ई से भरपूर चीजों को रैशेज वाली जगह लगाएं। रोजाना एक हफ्ते तक दिन में कम से कम 2-3 बार इसका इस्तेमाल करें।

कम्फर्टेबल अंडरवियर

रैशेज की समस्या टाइट और अनकम्फर्टेबल कपड़े पहनने से और बढ़ सकती है इसलिए ऐसी समस्या होने पर ढ़ीले और कम्फर्टेबल कपड़े पहनें खासतौर से अंडर वियर।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**

संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**